नई दिल्ली। शनिवार, 26 सितम्बर, 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 261/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल मनप्रीत कौर ने भारत की झोली में डाला एक और...
@ विचार फिल्मी दुनिया के साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी...
@ व्यापार गिरावट के बाद बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 315 अंक...

खबर झरोखा

825 करोड़ रुपए मुनाफे के साथ 20 प्रतिशत लाभांश का ऐलान

नई दिल्ली। कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्र की प्रमुख सहकारी संस्था कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड यानी कृभको (केआरआईबीएचसीओ) की 46वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित की गई, जिसमें संस्था के वित्तीय प्रदर्शन, सहकारिता क्षेत्र की प्रगति और किसानों को मिलने वाले लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कृभको के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संस्था की उपलब्धियों और सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा किया।

छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में अवकाश

रायपुर। प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शनिवार 26 सितंबर को प्रदेश के सभी स्कूलों में अवकाश के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव, नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा आवागमन में कठिनाई की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में स्कूली बच्चों को किसी प्रकार का जोखिम न उठाना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर के विद्यालयों में अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है।

पोल वॉल्ट में भारत की पहली पदक छलांग, रचा इतिहास

बरानिका ने ब्रॉन्ज जीता; गुलवीर को 10 हजार मीटर में सिल्वर



रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	97	36	24	157
2	जापान	27	42	44	113
3	साउथ कोरिया	13	17	34	64
4	कजाखस्तान	8	8	13	29
5	उज्बेकिस्तान	6	15	9	30
6	ईरान	6	11	7	24
7	थाईलैंड	6	6	8	20
8	हांगकांग	4	10	10	25
9	उत्तर कोरिया	4	3	3	11
10	मलेशिया	4	1	5	10
12	भारत	2	9	12	23

एजेंसी ■ नागोया (जापान)

भारत ने एशियन गेम्स के पोल वॉल्ट में पहली बार मेडल जीता। बरानिका एलांगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट में 4.15 मीटर की ऊंचाई पार कर ब्रॉन्ज जीता। पोल वॉल्ट में खिलाड़ी लंबी डंडी की मदद से खुद को हवा में उठाकर एक पट्टी को पार करता है।

शुक्रवार को एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर रेस में सिल्वर जीता। उन्होंने 28 मिनट 29.38 सेकेंड में रेस पूरी की। 2023 में इसी इवेंट में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

छठे दिन भारत ने 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 6 मेडल जीते। इसके साथ भारत के खाते में 23 मेडल हो गए हैं। चीन 157 मेडल के साथ टॉप पर है।

कबड्डी में महिला-पुरुष टीम का दबदबा बरकरार, फाइनल पहुंचे

तोकाई। जापान में चल रहे एशियन गेम्स में 6वें दिन भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहा। इसमें कबड्डी खेल स्पर्धा में भारतीय महिला और पुरुष टीम ने अपने-अपने प्रतिद्वंदियों को परास्त कर दबदबा कायम रखा है। बता दें कि भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। वहीं भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला कबड्डी फाइनल में जगह बना ली है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन



एजेंसी ■ नई दिल्ली/पटना/देहरादून

कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी।

एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में स्क्रुक के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने और करीब 13 करोड़ वोटर्स के नाम हटाने की एसआईटी जांच की मांग है।

कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग मनमानी कर रहा

कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है।

दो चुनाव आयुक्तों ने 4 बड़े सवाल उठाए- 1. फॉर्म-6 में बदलाव: नए वोटरों से पिछली स्क्रुक लिस्ट में खुद या परिवार के नाम की जानकारी मांगने पर दोनों ने सवाल उठाया। संधू ने इसे गैरकानूनी बताते हुए हटाने की मांग की।

2. वोटर डेटा का कंट्रोल: दोनों ने सवाल किया कि वोटर डेटाबेस का कंट्रोल दिल्ली में क्यों बढ़ रहा है और राज्यों की पहुंच क्यों सीमित हो रही है।

3. बंगाल में 16 लाख अपीलें: संधू ने पूछा कि हटाए गए नामों को लेकर करीब 16 लाख अपीलें किसने और किसकी अनुमति से दायर कीं।

4. गोवा के 97 वोटर: जांच में योग्य पाए गए 97 वोटरों को सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण अंतिम लिस्ट में नहीं जोड़ा जा सका।

एक आतंकवादी देश मुझसे यह पूछ रहा है ?: विदेश मंत्री जयशंकर

एजेंसी ■ नई दिल्ली



'एक आतंकवादी देश मुझसे ये सवाल पूछ रहा है?', इसी अंदाज में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद कर दी।

दरअसल, शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार अचानक घुस आया और भारत को लेकर हंगामा करने लगा। इस पर जयशंकर ने मुस्कुराते हुए करारा जवाब दिया।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलो न्यांती के साथ शिपिंग और नाविकों की सुरक्षा पर 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' की लॉन्चिंग को लेकर हो रही थी। इन टिप्पणियों का सामना करते हुए एस जयशंकर ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यवधान डालने वाले को करारा जवाब दिया।

जब रिपोर्टर चिल्लाता रहा, तो भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा, 'आपने उन्हें साफ-साफ सुन लिया।' गुरुवार को एक भारतीय मीडिया रिपोर्टर ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उस समय सवाल किया, जब वह महासभा के प्रवेश द्वार से गुजर रहे थे। पत्रकार ने पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकवादियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' और 'आप लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' शरीफ ने एक बार फिर सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया और पत्रकारों के सामने से बिना कुछ बोले निकल गए। हाफिज सईद पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन एलईटी का संस्थापक और भारत के सबसे वांछित वैश्विक आतंकवादियों में से एक है। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा सूचीबद्ध वैश्विक आतंकवादी है, जिस पर अमेरिकी सरकार ने 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा है।

विदेश मंत्री जयशंकर के विपरीत शरीफ ने जवाब देने में असमर्थ होकर नजरें फेरते हुए अपनी चाल तेज कर दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, शरीफ को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचते हुए देखा गया, जब रिपोर्टर ने पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकवादियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' शरीफ ने कोई जवाब नहीं दिया।

जब वह यूएन परिसर से बाहर निकले तो यह मुद्दा फिर उठा। रिपोर्टर ने पूछा, 'आप लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' शरीफ ने एक बार फिर सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया और पत्रकारों के सामने से बिना कुछ बोले निकल गए। हाफिज सईद पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन एलईटी का संस्थापक और भारत के सबसे वांछित वैश्विक आतंकवादियों में से एक है। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा सूचीबद्ध वैश्विक आतंकवादी है, जिस पर अमेरिकी सरकार ने 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा है।

नियंत्रण रेखा के समीप सैन्य तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सेनाध्यक्ष



एजेंसी ■ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और सेना की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने नियंत्रण रेखा और अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और सैनिकों से बातचीत भी की।

सेनाध्यक्ष ने तंगधार में 'ऑपरेशन दृष्टि 2026' का भी जायजा लिया है। सेनाध्यक्ष का यह दौरा 'जय से विजय' की उस भावना को सामने लाता है, जिसमें अभियानगत सतर्कता के साथ हर योद्धा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। उत्तरी कमान के तहत आने वाली चिनार कोर के क्षेत्रों में पहुंचे सेनाध्यक्ष को स्थानीय कमांडरों ने मौजूदा सुरक्षा माहौल से अवगत कराया। यहां सेना प्रमुख को अभियानगत तैयारियों और क्षमताओं को विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्हें नियंत्रण रेखा पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उपायों और अंदरूनी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों की तैयारियों के बारे में भी बताया गया। अभियान क्षेत्रों में सैनिकों से बातचीत के दौरान सेनाध्यक्ष ने सभी सैन्य कर्मियों की उच्च स्तर की सतर्कता की सराहना की। उन्होंने भारतीय सेना को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाले पांच बिंदुओं के मार्गदर्शक ढांचे 'विजय' पर जोर दिया। इसका उद्देश्य भारतीय सेना को ऐसी भविष्य के लिए तैयार सेना में बदलना है, जो कम समय में सभी प्रकार के अभियानों के लिए प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो। सेनाध्यक्ष ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की भी सराहना की।

शी-ट्रंप वार्ता : 'सामरिक स्थिर संबंधों' को विजन से कार्यान्वयन में बदलने की अपील

एजेंसी ■ बीजिंग



चीन-अमेरिका संबंधों पर शी चिनफिंग ने कहा कि चीन-अमेरिका रचनात्मक सामरिक स्थिर संबंधों की नई परिभाषा दोनों देशों के बीच वास्तविकता को दर्शाती है और भविष्य की आशा को भी व्यक्त करती है। यह दोनों देशों के लिए सही रास्ते की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों पक्षों को इस विजन को कार्यान्वयन में बदलना होगा, ताकि चीन-अमेरिका संबंधों का अधिक स्थिर, स्वस्थ और सतत भविष्य बन सकें।

मध्य पूर्व स्थिति पर शी चिनफिंग ने कहा कि चीन हमेशा से मानता रहा है कि हर देश की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान किया जाना चाहिए। चीन स्थिति को शांत करने में रचनात्मक भूमिका निभा रहा है और सभी पक्षों से शांति का रास्ता चुनने और बातचीत जारी रखने का आग्रह करता है। चीन अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पर लौटने का समर्थन करता है और उम्मीद करता है कि दोनों पक्ष जल्द से जल्द बातचीत के जरिए समस्या का समाधान करेंगे, जिसमें परमाणु मुद्दे पर व्यापक समझौता और शांति स्थापित करना शामिल है। थाइवान मुद्दे पर शी चिनफिंग ने स्पष्ट किया कि चीन का राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा का रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिकी पक्ष 'थाइवान की स्वतंत्रता' का विरोध करने वाला सही रुख अपनाएगा और थाइवान मुद्दे को सावधानी से संभालेगा, ताकि चीन-अमेरिका सामरिक सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए मजबूत नींव रखी जा सके।

शी ने यह भी कहा कि चीन-अमेरिका रचनात्मक सामरिक स्थिर संबंध बनाना कोई अस्थायी उपाय नहीं है और न ही यह एक-दो दिन का काम है। दोनों देशों के सभी विभागों, क्षेत्रों और स्तरों को सक्रिय होना होगा। छोटे अच्छे कामों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और छोटे बुरे कामों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पक्षों को दृढ़ संकल्प के साथ अपनी सहमति को लागू करना होगा।

तीर तेवर — सागर कुमार



'मच गया शोर सारी नगरी रे', पीएम मोदी ने जेन जी के साथ की भजन क्लबिंग, बजाई खंजरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली



पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार शाम दिल्ली में आयोजित ' भजन क्लबिंग ' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेन जी के साथ शामिल हुए। 'मच गया शोर सारी नगरी रे', 'आरती कुंज बिहारी की, 'गिरधर कृष्ण मुरारी की', 'गले में बैजंती माला' जैसे भजनों पर जेन जी खूब झूमे। वहीं पीएम मोदी भजन में डूबे खंजरी बजाते हुए नजर आए।

दरअसल, 'भजन क्लबिंग' युवाओं, खासकर जेनजी के बीच एक तेजी से उभरते अध्यात्मिक ट्रेंड में शामिल है। इसमें पारंपरिक भजनों और कीर्तनों को आधुनिक तरीके से पेश किया जाता है। इस कार्यक्रम के एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को दर्शकों के बीच पहली पंक्ति में बैठे देखा गया, जबकि मंच पर गायक और संगीतकार भक्ति गीत गा रहे थे। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी खंजरी भी बजाते दिखे।

समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया नमन

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एकात्म मानववाद के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रचिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।



मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विचारों और सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास की ऐसी दृष्टि प्रस्तुत की, जिसके केंद्र में समाज का अंतिम व्यक्ति है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उनका 'अंत्योदय' का सिद्धांत गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को 'अंत्योदय दिवस' के रूप में मनाना उनके विचारों के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प को अभिव्यक्त करता है। एकात्म मानववाद और अंत्योदय का उनका दर्शन आज भी राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण की दिशा में प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार, आदर्श और राष्ट्रसेवा का भाव सदैव देश और समाज को प्रेरित करता रहेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने दी पुष्पांजलि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन निष्ठा और विचारधारा के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। एकात्म मानववाद और अन्त्योदय के उनके मंत्र ने हमें सिखाया कि विकास का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भाजपा की डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ और देश में जनकल्याण के लिए कार्य कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम माना। उनका त्याग, सादगी और वैचारिक स्पष्टता हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

एस बी एच कॉस्मेटिक क्लिनिक के साथ अब मेडी ब्यूटी सैलून भी



विश्व केसरी■

रायपुर। महिलाओं के स्वास्थ्य, सौंदर्य और वेलनेस को एक साथ जोड़ते हुए एस बी एच ने रविवार, 20 सितंबर को एस बी एच कॉस्मेटिक क्लिनिक एवं मेडी ब्यूटी सैलून का शुभारंभ किया। यह पहल स्क्रा॥ वूमेन हॉस्पिटल की स्वास्थ्य सेवा यात्रा का विस्तार है, जिसकी शुरुआत डॉ. स्वाति मोहबिया ने 30 वर्ष पूर्व की थी।

एस बी एच हॉस्पिटल पहले से एस बी एच आई और वूमेन हॉस्पिटल के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कर रहा है। अब कॉस्मेटिक क्लिनिक और मेडी ब्यूटी सैलून के माध्यम से चिकित्सकीय विशेषज्ञता और सौंदर्य देखभाल को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया है। यहां त्वचा, बाल, नाखूनों की देखभाल और हेयर ट्रांसप्लांट के साथ वजन प्रबंधन एवं स्लिमिंग की विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। शरीर को आकार देने के लिए नवीनतम तकनीक से लेजर और क्रायोलिपोलिसिस आधारित गैर-सर्जिकल वसा कमी एवं बॉडी कंटूरिंग की सुविधा भी रहेगी।

इन सेवाओं के लिए डॉ. ज्योति मिश्रा और डॉ. संगीता विशेषज्ञ परामर्श देंगी। महिलाओं के लिए इनर बॉडी रीशेपिंग और प्राइवेट-पार्ट रीशेपिंग से संबंधित गोपनीय विशेषज्ञ परामर्श भी उपलब्ध होगा। गर्भावस्था, प्रसव और उम्र के साथ होने वाले बदलावों का प्रभाव महिला के आत्मविश्वास और दाम्पत्य जीवन पर पड़ सकता है।

एचएनएलयू और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 'डिफेंडिंग द डिजिटल फ्रंटियर' का किया आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। साइबर साइंस के प्रति जन-जागरूकता को मजबूत करने और डिजिटल सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, खोसाईडिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नवा रायपुर के 'सेंटर फॉर इंटरनेट एविएशन एंड आर्टिस्टिक उभरते उद्यम' (सीआईजीएआई) ने छत्तीसगढ़ पुलिस के सहयोग से 24 सितंबर 2026 को 'डिफेंडिंग द डिजिटल फ्रंटियर - ए साइबर आइडिया अवेयरनेस प्राइमर' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे राज्य सहभागी 'साइबर जागृति अभियान' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।



कार्यक्रम में विद्यार्थियों, राष्ट्रमंडल (फिकल्टी) और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वृद्धि-चढ़ाकर भाग लिया। इस दौरान साइबर अपराध के तेजी से बढ़ते स्वरूप, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, महिलाओं और कलाकारों से जुड़े साइबर सुरक्षा पोर्टल और डिजिटल युग में उभरते कानूनी निष्कर्षों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम को प्रदर्शित करते हुए मुख्य अतिथि, कनेक्शन विधि एवं संयुक्त कार्य मंत्री (छत्तीसगढ़ शासन) गजेन्द्र यादव ने साइबर चिप्स के लाइट पैन्टरों (मोडस ऑरेंडी) पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आम लोगों को आम लोगों के माध्यम से फर्जी कॉल के जरिए अक्सर जिम्मेदार ठहराया जाता है।

यादव ने बच्चों से आग्रह किया कि वे ऐसी ही किसी भी अन्य संचार व्यवस्था या कॉल पर फीडबैक न दें। उन्होंने छात्रों से 'डिजिटल स्टेडिम एम्बेसडर' की मांग की, ताकि वे अपने परिवार, दोस्तों और स्थानीय समुदायों तक साइबर सुरक्षा का संदेश प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें।

एचएनएलयू के फादर प्रो. (डॉ.) वी.सी. आइसलैंडन ने कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीक का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल युग में जिम्मेदार नागरिकता (जिम्मेदार नागरिकता) का अनिवार्य हिस्सा है।

युवा कैट के विशाल स्वास्थ्य शिविर में व्यापारी सहित संगठनों एवं पदाधिकारियों को मिला लाभ - अमर पारवानी



विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के युवा प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल, युवा प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि ने संयुक्त रूप से बताया कि युवा कैट का मेगा हेल्थ कैम्प 24 सितंबर 2026 को प्रात: 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक ष्टड्डञ्ज कार्यालय, हीरा आर्केड, पंडरी के सामने, रायपुर में आयोजित किया गया। कैम्प में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। एवं सिटी ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में स्वस्थ व्यापारी - स्वस्थ व्यापार के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुआ। युवा कैट एवं मेडिश्योर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के प्रतिष्ठित मेडिश्योर हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध डॉक्टरों ने जिसमें डॉ. विकास गोयल स्क्ष मेडिसिन, ष्टरू हेमेटोलॉजी, हिमेटोलॉजी एण्ड ब्लड कैंसर विशेषज्ञ, डॉ. मीनल गोयल स्क्ष (पीडियाट्रिक्स) नवजात एवं शिशु

छत्तीसगढ़ प्रदेश लोक कलाकार कल्याण संघ के शपथ ग्रहण समारोह में विजय शर्मा हुए शामिल

रायपुर । छत्तीसगढ़ प्रदेश लोक कलाकार कल्याण संघ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री वजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने लोक कलाकारों की सुविधाओं और उनकी कला को आगे बढ़ाने के लिए स्टूडियो निर्माण के संबंध में आश्वासन भी दिया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक कला, संस्कृति और परंपराओं से है। लोक कलाकार अपनी प्रतिभा और कला के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कलाकारों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि लोक कला को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कलाकारों को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

अटल पेंशन योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए रायपुर में पीएफआरडीए का आउटरीच कार्यक्रम

विश्व केसरी■

रायपुर। अटल पेंशन योजना (APY) के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक नागरिकों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC), छत्तीसगढ़ के समन्वय को लेकर रायपुर में अटल पेंशन योजना आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में PFRDA के मुख्य महाप्रबंधक प्रवेश कुमार, उप महाप्रबंधक और संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति छत्तीसगढ़ दीपक कुमार अभिषेक सहित छत्तीसगढ़ में कार्यरत सदस्य बैंकों के राज्य स्तरीय प्रमुख/अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक (LDMs) तथा विभिन्न बैंकिंग सेवाओं से जुड़े ग्राहक सेवा केन्द्र (CSPs) के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अटल पेंशन योजना के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं पात्र नागरिकों को योजना के लाभों से अवगत कराना तथा बैंकों, LDMs एवं CSPs के माध्यम से PY के नामांकन को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।

कार्यक्रम में PFRDA के अधिकारियों द्वारा अटल पेंशन योजना की विशेषताओं, पात्रता, नामांकन प्रक्रिया, अंशदान एवं पेंशन लाभ के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा नामांकन को सुगम बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर सदस्य बैंकों के राज्य प्रमुखों एवं LDMs के साथ PY के प्रभावी क्रियान्वयन, जिलेवार प्रचार-प्रसार तथा बैंक शाखाओं एवं CSPs की सक्रिय भागीदारी के संबंध में चर्चा की गई। CSPs को भी जमीनी स्तर पर संभावित लाभार्थियों तक पहुंच बनाने और योजना के संबंध में सही एवं सरल जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

आधुनिक जीवन में अध्यात्म का महत्व पर व्याख्यान

केटीयू में दीक्षारंभ का तृतीय सत्र

विश्व केसरी■

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ के तृतीय सत्र में 'आधुनिक जीवन में अध्यात्म' विषय पर स्वामी श्री कालिदास जी महाराज ने विशेष व्याख्यान दिया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज दयाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को आधुनिक जीवन में उच्च संस्कारों, नैतिक मूल्यों और शिक्षा के साथ अध्यात्म को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे महामण्डलेश्वर स्वामी श्री कालिदास जी महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीव परमात्मा का एक अंश है। 'लिविंग गॉड' माता-पिता हैं, और जो अपने माता-पिता को पहचान लेता है, वह परमात्मा को



पहचान लेता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मातृ-पितृ सेवा, सत्कार और सम्मान सीखने का संदेश दिया।

स्वामी जी ने कहा कि अतिथि का आदर-सत्कार और आचार्य का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। सुख के क्षण क्षणिक होते हैं, जबकि दुख के समय माता-पिता और भाई-बहनों की याद आती है। ईश्वर का नाम स्मरण करते हुए कर्म करने से ही जीवन में सफलता मिलती है।

उन्होंने ज्ञान और शिक्षा के महत्व को समझाते हुए कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है। ज्ञान और शिक्षा को सत्कर्म तथा सद्भावना के साथ बांटना चाहिए। अपने कर्म का अभिमान करने से व्यक्ति का पतन हो जाता है, इसलिए हमेशा विनम्र रहकर जीना चाहिए। समुद्र की तरह ज्ञानी होने पर भी झुकना और अपने कर्मों को मजबूत रखना चाहिए। विद्यार्थियों के जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए स्वामी श्री कालिदास जी ने कहा कि धर्म और मानवता में से यदि देश को बचाना है, तो यह याद रखना चाहिए कि यदि मानवता नहीं रहेगी, तो धर्म भी सुरक्षित नहीं रहेगा। दान हमेशा सुपात्र को देखकर ही करना चाहिए, कुपात्र को नहीं। गुप्त दान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने अपने संबोधन में आयुर्वेद के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि दया और करुणा ही सच्चे मनुष्य की पहचान है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:- Email ID - rmczonev@gmail.com

पत्र क्रं /....35722.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35722

वार्ड का नाम - 18- बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR**110C00322 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUNIL KUMAR MEGHWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. CHUHADMAL MEGHWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **SEEMA BADHAI** 2. **SURESH KUMAR BADHAI** पिता / पति श्री/श्रीमती 1. **W/O SURESH KUMAR BADHAI** 2. **S/O LATE LINGU BHAU BADHAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री अंशुल शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (1)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:- Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35718.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35718

वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104J00270 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. **GANESH DHRUW** 2. **HEMANT DHRUW** 3. **SANAT RAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **TIJURAM DHRUW** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SANDHYA SHARMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O PANKAJ SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री अंशुल शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (1)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:- Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35724.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35724

वार्ड का नाम - 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104A00547 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHANTI DEVI MANDHANI ASHOK KUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **VIRUMAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **NIKKI THAKUR** 2. **SUDHIR THAKUR** पिता / पति श्री/श्रीमती 1. **W/O SUDHIR THAKUR** 2. **S/O ASHOK THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री अंशुल शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (1)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35669.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35669

वार्ड का नाम -11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227P00112 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. KIRAN VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **TANK RAM VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती इंदु साहू पिता/पति श्री/श्रीमती नरोतम लाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (9)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35572.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35572

वार्ड का नाम -11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227**T**00079 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **YUVRAJ DUBEY** पिता/पति श्री श्रीमती **LT. YASHWANT DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सुमन सिंह पिता / पति श्री श्रीमती अभिमन्यु सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (9)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35609.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 24-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35609

वार्ड का नाम -10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227S00250 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SMT. KALPANA RATHI पिता / पति श्री श्रीमती **RAJESH RATHI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती बूँद कुंवर पटेल पिता/पति श्री श्रीमती अग्रसेन पटेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (9)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35668.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35668

वार्ड का नाम -11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR**227B0118A 1.**NIKUNJ JAIN S/O PUROSUTTAM JAIN** 2.**ANTIMA JAIN** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NIKUNJ JAIN** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती मुबाशा शिरीन सिद्दीकी पिता / पति श्री/श्रीमती एम जेड सिद्दीकी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा

(जोन कमिश्नर)

जोन (9)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) - : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : - Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35730.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इश्तिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35730

वार्ड का नाम -29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR334E00291 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAMAMANI BAHORIYA** पिता / पति श्री/श्रीमती **GANESH BAHORIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती एम डी फारुक पिता/पति श्री/श्रीमती पिता अब्दुल गफ्फार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्रीमती प्रीति सिंह

(जोन कमिश्नर)

जोन (3)

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत और जापान ने वन प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने के लिए शुरू किया प्रोजेक्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के सहयोग से मंत्रालय द्वारा आयोजित 'प्रभावी वन प्रबंधन प्रोजेक्ट के लिए क्षमता वृद्धि' पर एक वर्कशॉप का उद्घाटन किया।

2025-26 से 2031-32 तक लागू होने वाले इस प्रोजेक्ट का मकसद वन और वन्यजीव प्रबंधन की बदलती जरूरतों, जलवायु चुनौतियों और पर्यावरण से जुड़ी नई चिंताओं से निपटने के लिए फ्रंटलाइन वन कर्मियों की क्षमता को बढ़ाना है।वर्कशॉप को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और वनों पर निर्भर समुदायों की आजीविका के लिए जंगल बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने वन कर्मियों की तकनीकी और फील्ड-लेवल क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया, खासकर जंगल की आग के प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई जैसे



क्षेत्रों में।

मंत्री ने क्षेत्र-विशिष्ट ट्रेनिंग मॉड्यूल की मांग की, जिनमें पारंपरिक ज्ञान, वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीकों का मेल हो। उन्होंने रिसर्च और डेवलपमेंट, पायलट प्रोजेक्ट और वानिकी ट्रेनिंग संस्थानों को मज़बूत करने को भी इस पहल के अहम हिस्से बताया। जेआईसीए इंडिया के सीनियर प्रतिनिधि ईजी वाकामात्सु ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए भारतीय और जापानी रिसर्च संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ जेआईसीए की वानिकी साझेदारी लगभग तीन दशकों से चल रही है और इससे सात लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है।

प्रोजेक्ट का दूसरा चरण लकड़ी के ट्रांसफॉर्मेशन और आजीविका पैदा करने, बेहतर वन प्रबंधन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और मिलकर किए जाने वाले एकेडमिक रिसर्च पर केंद्रित होगा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एडीजी (वन्यजीव) रमेश पांडे के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का कुल बजट 537.10 करोड़ रुपये है, जिसमें जेआईसीए से 440.42 करोड़ रुपये और भारत सरकार से 96.68 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट सभी राज्यों को कवर करेगा, जिसमें नए भाग लेने वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दिल्ली में जेआईसीए की मदद से चल रहे 'कैपेसिटी एनहांसमेंट फॉर इफेक्टिव फॉरेस्ट मैनेजमेंट' (प्रभावी वन प्रबंधन के लिए क्षमता वृद्धि) प्रोजेक्ट की लॉन्च वर्कशॉप को संबोधित किया। इस बात पर ज़ोर दिया कि फ्रंट-लाइन कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना सिर्फ़ समय-समय पर क्लासरूम में दी जाने वाली ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें इस तरह तैयार किया जाना चाहिए।

सबरीमाला तीर्थयात्रा सीजन के लिए व्यापक सुरक्षा नेटवर्क तैनात किया जाएगा



विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। केरल में नवंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू होने वाले दो महीने लंबे सबरीमाला तीर्थयात्रा सीजन के लिए व्यापक पुलिस और सुरक्षा नेटवर्क तैनात किया जाएगा। अधिकारी भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देंगे।

गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शुक्रवार को सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक में पुलिस तैयारियों की समीक्षा की और पुलिस एवं अन्य एजेंसियों को निर्देश दिया कि मंदिर सीजन शुरू होने से पहले ही सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं।

तीर्थयात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वर्चुअल कतार प्रणाली (वर्चुअल क्यू सिस्टम) का अधिक उपयोग किया जाएगा। केरल के डीजीपी तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के पुलिस प्रमुखों से सीधे संपर्क करेंगे ताकि पड़ोसी राज्यों से आने वाले तीर्थयात्रियों को इस प्रणाली के बारे में जानकारी दी जा सके। प्रेस विज्ञप्तियों और सोशल मीडिया के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। महत्वपूर्ण स्थानों पर साइनबोर्ड और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली भी स्थापित की जाएगी।

चेन्निथला ने तीर्थयात्रा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं के प्रति मैत्रीपूर्ण और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखने का निर्देश दिया। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई बल और अग्निशमन एवं बचाव बल को प्रभावी ढंग से तैनात किया जाएगा।

बांग्लादेशः बच्चों में गैंग कल्चर और सोशल मीडिया का असर चिंता का विषय

विश्व केसरी■

ढाका। बांग्लादेश में बच्चों और किशोरों से जुड़ी हिंसक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय इशायात शाहरीआर अप्रतीम की हत्या ने एक बार फिर देश में किशोर अपराध और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।



रिपोर्ट के मुताबिक, इस हत्या ने किशोर गैंग कल्चर, पारिवारिक और सामाजिक माहौल, स्कूलों की भूमिका, सोशल मीडिया के प्रभाव और कानून-व्यवस्था की सीमाओं को लेकर व्यापक चिंता पैदा कर दी है।

ढाका विश्वविद्यालय के मानद प्रोफेसर ए. आई. महबूब उद्दीन अहमद ने कहा कि गरीबी और बेरोजगारी बांग्लादेश में किशोर अपराध बढ़ने की प्रमुख वजहों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी समस्याएं व्यापक सामाजिक और आर्थिक विफलताओं को दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं है। बचपन से ही परिवार, शिक्षा, रोजगार के अवसर और सामाजिक माहौल को मजबूत करना होगा, ताकि बच्चों को हिंसा और अपराध से दूर सकारात्मक विकल्प मिल सकें।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल, ढाका के एसोसिएट प्रोफेसर हेलाल उद्दीन अहमद ने कहा कि किशोरों में गैंग कल्चर तेजी से बढ़ रहा है और इसमें सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है।

ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने नई दिल्ली में ई-रिक्शा की सवारी की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने नई दिल्ली में अपने आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान एक इलेक्ट्रिक रिक्शा की सवारी की।

भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो में मंत्री को पहले इलेक्ट्रिक रिक्शा में सवारी करते और फिर चालक की सीट संभालते हुए दिखाया गया है। राजदूत ने कहा कि नई दिल्ली में बैठकों के बीच, मंत्री क्रिस बोवेन एक इलेक्ट्रिक रिक्शा में सवार हुए, ताकि स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने वाले नवाचार को करीब से देख सकें।



बोवेन ऑस्ट्रेलिया की ईंधन सुरक्षा को मजबूत करने और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बोवेन से मुलाकात की और फिजी में होने वाली आगामी प्री-सीओपी मंत्रिस्तरीय बैठक और तुर्की में होने वाली सीओपी31 के लिए महत्वपूर्ण एजेंडा मुद्दों पर चर्चा की।

यादव ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि आज नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री और सीओपी31 वार्ता के अध्यक्ष क्रिस बोवेन से मिलकर खुशी हुई। हमने फिजी में होने वाली आगामी प्री-सीओपी और तुर्की में होने वाली सीओपी31 के लिए महत्वपूर्ण एजेंडा मुद्दों पर सार्थक चर्चा की।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा किए गए महत्वाकांक्षी जलवायु संबंधी कार्यों की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला। मैंने सीओपी31 वार्ता के अध्यक्ष के रूप में ऑस्ट्रेलिया की सहायक भूमिका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

बोवेन ने कहा कि वैश्विक जलवायु और ऊर्जा नीति के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका अपरिहार्य है, और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में इसका विस्तार दर्शाता है कि स्वच्छ स्रोतों की ओर संक्रमण आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दे सकता है।

बुधवार को यहां 'हरित संक्रमण में भागीदार: सीओपी31 के लिए महत्वाकांक्षा, कार्रवाई और साझेदारी को आगे बढ़ाना' शीर्षक से आयोजित पूर्व-सीओपी संवाद को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए देशों के प्रयासों के बीच वैश्विक जलवायु वार्ता में भारत का अनुभव महत्वपूर्ण होगा।

टीआरएआई ने लॉन्च किया डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग प्लेटफॉर्म, उपभोक्ताओं को मिलेगा विश्वसनीय जानकारी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) ने शुक्रवार को डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग (डीसीआर) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को किसी भी संपत्ति की डिजिटल कनेक्टिविटी के बारे में विश्वसनीय और पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही टीआरएआई ने डिजिटल कनेक्टिविटी की जांच के लिए एक मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है, जो प्रॉपर्टी की कनेक्टिविटी रेटिंग प्रक्रिया को आसान बनाएगा।

यह प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को उन संपत्तियों की डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग देखने की सुविधा देगा, जिन्हें आधिकारिक



तौर पर रेट किया गया है। इसके माध्यम से लोग किसी भी प्रॉपर्टी की नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की गुणवत्ता को खरीदने या किराए पर लेने से पहले समझ सकेंगे।

टीआरएआई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि रेटिंग को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने और प्रमाणपत्रों के सत्यापन की सुविधा देने से उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और तुलनात्मक जानकारी प्राप्त होगी। इससे लोग ऐसे घरों और कार्यालयों का चयन अधिक जानकारी के आधार पर कर सकेंगे, जहां कॉलिंग, डाउनलोडिंग और ऑनलाइन सेवाओं की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को किसी प्रॉपर्टी में विकसित की गई डिजिटल कनेक्टिविटी अवसंरचना के महत्व को समझने में भी मदद करेगी। साथ ही प्रॉपर्टी डेवलपर्स और प्रबंधन संस्थाओं को परियोजना के शुरुआती चरण से ही डिजिटल कनेक्टिविटी सुविधाओं को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ता किसी भी रेटेड प्रॉपर्टी को उसके नाम, प्रमाणपत्र संख्या (सर्टिफिकेट आईडी) या लोकेशन के आधार पर खोज सकेंगे। उन्हें संबंधित संपत्ति का डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित रेटिंग प्रमाणपत्र भी देखने को मिलेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, 14.81 करोड़ का 9.40 किलो सोना पाउडर जब्त

विश्व केसरी■

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की मुंबई जोनल यूनिट ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लगभग 14.81 करोड़ रुपए कीमत का 9.40 किलोग्राम सोना जब्त करने के साथ तीन भारतीय यात्रियों को गिरफ्तार किया है।

मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट की ऑपरेशनल मदद से खास खुफिया जानकारी के आधार पर 23 सितंबर को यह कार्रवाई की गई। दुबई से आए तीन यात्रियों के पास सोने को बहुत चालाकी से छिपाकर ले जाया जा रहा था।

सामान की बारीकी से जांच करने पर पता चला कि विदेशी मूल



के सोने को बारीक पाउडर में बदलकर, उसी रंग, बनावट और रूप-रंग वाले पैक्ड फूड प्रोडक्ट्स में बहुत सावधानी से मिलाया गया था। यह तरीका आम जांच से बचने के लिए अपनाया गया था।

सोने के पाउडर को दूध पाउडर, ओट्स, अलग-अलग तरह के आटे, न्यूटेला और नारियल के दूध के पाउडर जैसे आम दिखने वाले फूड पैकेट्स में छिपाया गया था। तीनों यात्रियों के सामान से कुल मिलाकर लगभग 33.50 किलोग्राम ऐसे फूड प्रोडक्ट्स बरामद किए गए, जिनमें सोने का पाउडर मिला हुआ था।

सावधानीपूर्वक अलग करने और जांच के बाद डीआरआई अधिकारियों ने 9.40 किलोग्राम शुद्ध सोना बरामद किया। जब्त किए गए सोने की कीमत लगभग 14.81 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस खेप को कस्टम्स एक्ट, 1962 के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

पूछताछ के दौरान तीनों यात्रियों ने स्वीकार किया कि वे सोने की तस्करी करने वाले एक ही संगठित गिरोह के लिए काम कर रहे थे। कस्टम्स ने उन्हें कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत गिरफ्तार कर लिया।

ग्रेटर नोएडा : धूम मानिकपुर की केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र के धूम मानिकपुर में शुक्रवार तड़के एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। रात करीब दो बजे के आसपास फैक्ट्री परिसर में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और उठता धुआं दूर तक दिखाई देने के कारण आसपास के इलाके में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। बादलपुर थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड और



एसडीआरएफ की टीमें लगातार आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटी हुई हैं। सुरक्षा के मद्देनजर फैक्ट्री के अंदर मौजूद सभी लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसे में किसी व्यक्ति के झुलसने या जनहानि की सूचना नहीं है। आग इतनी तेजी से फैली कि कंपनी परिसर में खड़े कई वाहन भी इसकी चपेट में आ गए। फैक्ट्री में केमिकल से जुड़ा काम होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया। दमकल कर्मियों को आग बुझाने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। आग के कारण फैक्ट्री परिसर में रखा सामान और अन्य सामग्री भी प्रभावित होने की आशंका है।

बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद मौके पर लगातार दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। पिछले करीब पांच घंटे से दो दर्जन से अधिक फायर टेंडर आग पर काबू पाने के अभियान में जुटे हुए हैं। दमकल कर्मी अलग-अलग दिशाओं से पानी की बौछार कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। आग के संभावित रूप से दोबारा भड़कने को देखते हुए भी टीमों को सतर्क रखा गया है। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग की ओर से घटना की जांच की जा रही है।

आग पूरी तरह बुझने के बाद फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। राहत की बात यह है कि फैक्ट्री में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

एटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ ईडी की कार्रवाई, बेंगलुरु सहित 16 ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु जोनल ऑफिस ने बुधवार और गुरुवार को पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत एटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, विशाखापत्तनम और अन्य में फैली 16 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया।



यह तलाशी एटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु, उसके शेयरधारकों और निदेशकों पर चोरी के सोने के सामान को खरीदने/हासिल करने में बार-बार शामिल होने के आरोपों के आधार पर की गई थी। इसके साथ ही कंपनी से करीबी तौर पर जुड़े लोगों, जैसे पीएस अयूब उर्फ ??बोमनहल्ली बाबू, ओबेदुल्ला ए, मोहम्मद सलमान ए, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों द्वारा अपराध से हुई भारी कमाई जमा करने के आरोपों की भी जांच की गई।

यह जांच अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर और पुलिस अधिकारियों द्वारा दायर चार्ज-शीट के आधार पर शुरू की गई थी, जिनमें चोरी के सोने के सामान को बार-बार खरीदने/हासिल करने/उसका व्यापार करने के आरोप लगाए गए थे। एफआईआर से मिली जानकारी को डायरेक्टोरेट द्वारा आरोपियों की मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों/प्रक्रियाओं के बारे में जुटाई गई अलग-अलग वेरिफिएबल जानकारी से और मजबूत किया गया।

तलाशी अभियान में शामिल मुख्य लोगों/जगहों में निदेशकों, पूर्व-निदेशकों, शेयरधारकों के घर और एटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड व अन्य का हेड ऑफिस और शाखाएं शामिल थीं।

संपादकीय

श्राद्ध की थाली और वृद्ध आखों की खामोशी



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

श्राद्ध पक्ष आते ही घरों में पितृों को याद करने की परंपरा शुरू हो जाती है। उनके नाम पर पकवान बनाए जाते हैं, ब्राह्मण भोज कराया जाता है, दान दिया जाता है और श्रद्धा के साथ पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। हमारी संस्कृति में पितृ स्मरण का अपना गहरा महत्व है। यह हमें अपनी जड़ों, अपने पूर्वजों और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव याद दिलाता है।

लेकिन इसी परंपरा के बीच एक सवाल मन को भीतर तक झकझोरता है, जिन माता-पिता को हम जीवन भर अपने हाथों से भोजन नहीं करा सके, उनकी सेवा नहीं कर सके, उन्हें समय नहीं दे सके, उनके अकेलेपन को नहीं समझ सके, उनके जाने के बाद उनके नाम पर इतने बड़े भोज का क्या अर्थ है?

जिस मां ने बचपन में हमारी थाली में अपनी पसंद का निवाला भी रख दिया, क्या उसे बुढ़ापे में अपनी थाली के लिए संतान का इंतजार करना चाहिए? जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं, क्या वृद्धावस्था में उन्हें अपने ही घर में बोझ समझा जाना चाहिए? यह सवाल किसी एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का है।

हमारे आसपास कितने वृद्ध ऐसे हैं जो आज भी काम करने को मजबूर हैं। कोई सड़क किनारे सामान बेच रहा है, कोई दुकान के बाहर बैठा है, कोई मजदूरी कर रहा है, कोई हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। कोई वृद्धाश्रम में जीवन की आखिरी शामें काट रहा है। आखिर ये लोग कौन हैं? क्या ये किसी दूसरे ग्रह से आए हैं? इनमें भी किसी की मां होगी, किसी का पिता होगा, किसी का वह बुजुर्ग होगा जिसने कभी अपने बच्चों को गोद में खिलाया होगा।

फिर सवाल उठता है कि हम अपने पितरों से प्रेम करते हैं तो जीवित बुजुर्गों के प्रति हमारी संवेदना इतनी कमजोर क्यों हो गई?

श्राद्ध में बनाए गए पकवान अगर किसी जरूरतमंद बुजुर्ग की थाली तक पहुंच जाएं तो शायद उस भोजन का अर्थ और बड़ा हो जाए। पितरों के नाम पर किया गया दान यदि किसी अकेली मां की दवा खरीद दे, किसी वृद्ध पिता के लिए गर्म कपड़ा बन जाए या किसी बेसहारा बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दे, तो शायद श्रद्धा का उद्देश्य ज्यादा सार्थक हो।

पितृ पक्ष हमें केवल मृत पूर्वजों को याद करने के लिए नहीं, बल्कि यह सोचने के लिए भी आया है कि हमारे आसपास कितने जीवित पितर अपनी संतान के इंतजार में बैठे हैं।

हम अक्सर कहते हैं कि माता-पिता भगवान का रूप हैं। लेकिन भगवान की पूजा के लिए हम मंदिर खोजते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए हमारे पास समय नहीं होता। उनके साथ बैठने के लिए दस मिनट नहीं, लेकिन उनके निधन के बाद उनके नाम पर घंटों के भोज और आयोजन के लिए समय मिल जाता है।

यह कैसी श्रद्धा है? अगर माता-पिता के जीवित रहते उनके लिए एक गिलास पानी देने में हमें परेशानी होती है और उनके मरने के बाद उनके नाम पर दर्जनों पकवान बनते हैं, तो हमें अपने कर्मकांड से ज्यादा अपने अंतर्मन का श्राद्ध करने की जरूरत है, उस संवेदनहीनता का श्राद्ध, जिसने हमें अपने ही बुजुर्गों से दूर कर दिया।

पितृों को हमारे दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हमारी श्रद्धा चाहिए, लेकिन श्रद्धा का सबसे सुंदर रूप कर्म है।

जीते जी मां-बाप की थाली में प्रेम से परोसी गई एक रोटी, उनके लिए बनाए गए हजार पकवानों से बड़ी हो सकती है। उनके अकेलेपन में दिया गया एक घंटा, मृत्यु के बाद किए गए बड़े-बड़े आयोजनों से अधिक मूल्यवान हो सकता है।

इस श्राद्ध पक्ष में जब हम अपने पितृों के लिए भोजन बनाएं तो एक बार अपने घर के उस बुजुर्ग की ओर भी देख लें, जो चुपचाप हमारी ओर देख रहा है। पूछ लें, 'बाबा, खाना खाया?' 'मां, आपको कुछ चाहिए?

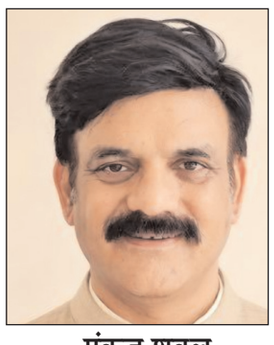
शायद यही वह श्राद्ध है जिसकी हमारे समाज को सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि पितृों को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा रास्ता उनके नाम पर पकवान बनाना नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को जीवित रखना है।

और सबसे बड़ा पितृ तर्पण शायद यही है, जिस मां-बाप ने हमें जीते जी खिलाया, उन्हें हम जीते जी भरपेट खिला सकें; जिन्होंने हमें संभाला, बुढ़ापे में हम उन्हें संभाल सकें; और जिनके आशीर्वाद से हमारा घर बना, उस घर में उनके लिए सम्मान की जगह हमेशा बनी रहे।

मृत्यु के बाद किया गया श्राद्ध परंपरा हो सकता है, लेकिन जीते जी की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।



फ़िल्मी दुनिया के साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी बहुत याद आओगे 'दद्दू'



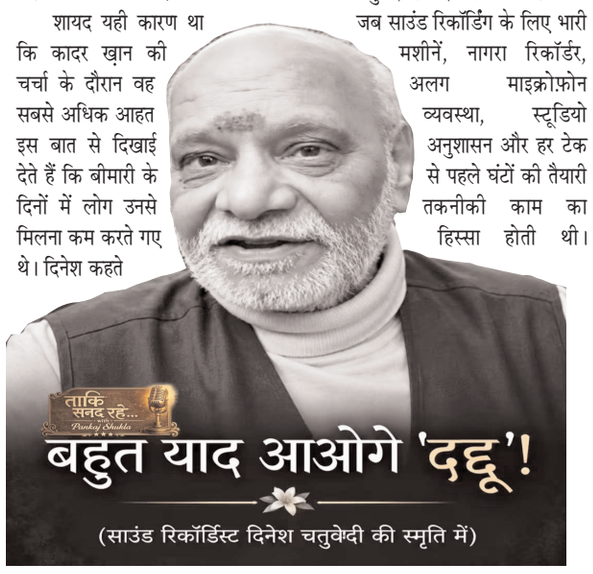
पंकज शुक्ल

मुंबई की सड़क पर चप्पल पहने एक बुज़ुर्ग अपनी धुन में चले जा रहे थे। सामने से एक बड़ी गाड़ी निकली, कुछ आगे जाकर रुकी और फिर पीछे आई। शीशा नीचे हुआ तो भीतर निर्माता साजिद नाडियाडवाला बैठे थे। उन्होंने आवाज़ लगाई, 'कहां जा रहे हो दद्दू?' बुज़ुर्ग ने अपने उसी सहज अंदाज़ में कहा, 'बस, ऐसे ही जा रहा था।' साजिद ने कार का दरवाज़ा खुलवाया, उन्हें गाड़ी में बैठाया और अपने दफ़्तर ले गए। वहां आराम से बैठाकर पूछा कि आजकल क्या चल रहा है, क्या काम कर रहे हैं, कोई परेशानी तो नहीं है। हिंदी फ़िल्म उद्योग में दशकों गुज़ार चुके उस बुज़ुर्ग को यह छोटी-सी घटना इसलिए याद रह गई क्योंकि उनके अपने अनुभव में किसी पुराने आदमी को जीते-जी रोककर उसका हाल पूछ लेना अब असाधारण बात होती जा रही थी।

ये थे साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी। इंडस्ट्री में लोग उन्हें 'दद्दू' कहते थे। वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश बताते हैं कि उन्होंने फ़िल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लिया था और तकनीकी दक्षता के साथ ही उनमें लिखने की भी क्षमता थी। वह दीनानाथ शास्त्री द्वारा प्रकाशित एक फ़िल्म पत्रिका में लोकप्रिय कॉलम लिखा करते थे। 'दद्दू' के नहीं रहने की ख़बर आई तो मुझे वीडियो जर्नलिस्ट पवन कुमार का किया उनका वह अंतिम इंटरव्यू याद आया, जिसमें साजिद नाडियाडवाला का यह क़िस्सा सुनाते-सुनाते वह अचानक हिंदी सिनेमा की उस बीमारी पर पहुंच जाते हैं जिसकी टीस उनके भीतर बहुत गहरी थी। दद्दू का कहना था कि यहां अक्सर लोग किसी कलाकार या तकनीशियन के जीते जी उसकी ख़बर नहीं लेते, लेकिन उसके मरते ही तस्वीरें लगती हैं, मालाएं चढ़ती हैं, इंटरव्यू दिए जाते हैं और श्रद्धांजलियों का सिलसिला शुरू हो जाता है। बात कादर ख़ान से शुरू हुई थी, मोहम्मद अज़ीज़ से गुज़री और थोड़ी देर बाद वह पूरे फ़िल्म उद्योग की स्मृति पर टिप्पणी करने लगे। उनका वाक्य कठोर था, 'यहां तो कफ़न से भी फ़ायदा लेते हैं।' कहानी उसी आदमी की है जो अपनी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा पर्दे के पीछे आवाज़ संभालते हुए गुज़ार गया, फिर उन्हीं पर्दे के पीछे काम करने वाले हज़ारों मज़दूरों और तकनीशियनों की आवाज़ बन गया। दिनेश चतुर्वेदी ने 1969 में रिलीज़ यश चोपड़ा निर्देशित 'इत्तेफ़ाक़' में सहायक ध्वनि कर्मी के रूप में काम किया। 'मस्ताना' में भी वह सहायक ध्वनि विभाग में थे। कुछ ही बरस बाद महेश भट्ट की शुरुआती फ़िल्म 'मंज़िलें और भी हैं' में वह स्वतंत्र ऑडियोग्राफ़र बन चुके थे। इसके बाद राज खोसला की 'प्रेम कहानी', 'कबीला', 'विश्वासघात', महेश भट्ट की 'लहू के दो रंग', 'पत्थर दिल', 'बहू की आवाज़', 'करमदाता' और बहुत बाद तक 'प्रेम अगन' जैसी फ़िल्मों में उनका नाम साउंड रिकॉर्डिंग के साथ दर्ज मिलता है। लगभग तीन दशकों तक वह साउंड डिपार्टमेंट में सक्रिय रहे।

अंतिम इंटरव्यू में एक और क़िस्सा आता है जो इस आदमी के रिश्तों की असली गहराई बताता है। महेश भट्ट के ज़िक्र पर वह बड़े गर्व से बताते हैं कि दोनों ने लगभग साथ-साथ अपना फ़िल्मी सफ़र शुरू किया था। नानाभाई भट्ट की एक फ़िल्म के दिनों से परिचय हुआ, महेश आगे प्रोडक्शन से जुड़े, फिर निर्देशन में आए और दिनेश उनकी फ़िल्मों में साउंड रिकॉर्डिंग करने लगे। 'मंज़िलें और भी हैं' में उन्होंने साउंड रिकॉर्डिस्ट होने के साथ पुलिस इंस्पेक्टर का छोटा-सा किरदार भी निभाया था। और, फिर दिनेश चतुर्वेदी मुस्कराते हुए वह बात कहते हैं जो किसी आधिकारिक फ़िल्मोग्राफ़ी में नहीं मिलेगी। पूजा भट्ट पैदा हुईं तो उन्होंने उन्हें अपनी गोद में खिलाया था। फिर पूजा बड़ी हुईं, आलिया की पीढ़ी आई और भट्ट परिवार से उनका अपनापन बना रहा। बरसों बाद कभी कुछ दिनों तक दद्दू दिखाई न दें तो सुबह महेश भट्ट का फ़ोन आ जाता, 'भैया, मर गए क्या? कहां हो तुम?' दिनेश इस सवाल को शिकायत नहीं, प्यार की मिसाल की तरह सुनाते हैं। उनके लिए किसी पुराने साथी को यह याद रहना कि आप जीवित हैं, स्वस्थ हैं या नहीं, क्या कर रहे हैं, यही रिश्ते की असली परीक्षा थी।

शायद यही कारण था कि कादर ख़ान की चर्चा के दौरान वह सबसे अधिक आहत इस बात से दिखाई देते हैं कि बीमारी के दिनों में लोग उनसे मिलना कम करते गए थे। दिनेश कहते हैं कि कादर उनसे कहा करते थे, 'क्या करें दद्दू, अब लोग भूल गए।' उनके मुताबिक़ कादर ख़ान की महानता केवल यह नहीं थी कि वह बड़े अभिनेता और संवाद लेखक थे। वह ऐसे लोगों को पकड़कर काम सौंप देते जिन्हें रोज़गार की ज़रूरत हो। दद्दू इसी क्रम में दिनेश अनवर नाम के एक सहयोगी का उदाहरण देते हैं। उनका कहना था कि कादर ख़ान चाहें तो सारा काम खुद कर सकते थे, लेकिन वह काम बांटते थे ताकि किसी और का घर भी चले।



मोहम्मद अज़ीज़ को भी वह 'मुन्ना' कहकर याद करते हैं। यादों पर ज़ोर डालते हुए वह उनसे जुड़ा एक क़िस्सा भी इसी इंटरव्यू में बताते हैं। एक भोजपुरी फ़िल्म के दौरान उन्होंने उषा खन्ना से कहा था कि एक लड़का बहुत अच्छा गाता है और उसे मौक़ा मिलना चाहिए। फिर महबूब स्टूडियो में मोहम्मद अज़ीज़ ने उनके साथ एक गाना रिकॉर्ड किया। वह कहते हैं कि अज़ीज़ बड़े गायक बन जाने के बाद भी इतने सहज थे कि कोई साधारण व्यक्ति कह दे कि बच्चे का जन्मदिन है और बच्चा आपको सुनना चाहता है, तो वह सोचते नहीं थे कि मैं बड़ा सितारा हूं, वहां पहुंच जाते थे।

चतुर्वेदी उस दौर के तकनीशियन थे जब साउंड रिकॉर्डिंग के लिए भारी मशीनें, नागरा रिकॉर्डर, अलग माइक्रोफ़ोन व्यवस्था, स्टूडियो अनुशासन और हर टेक से पहले घंटों की तैयारी तकनीकी काम का हिस्सा होती थी। साउंड रिकॉर्डिस्ट का काम केवल बटन दबाना नहीं था। लोकेशन के शोर, कलाकार की आवाज़, माइक्रोफ़ोन की दूरी और फ़िल्म स्टॉक के साथ ध्वनि के तालमेल को संभालना पड़ता था। राज खोसला की 'प्रेम कहानी' में दिनेश चतुर्वेदी ऑडियोग्राफ़र और मंगेश देसाई री-रिकॉर्डिस्ट थे। 'लहू के दो रंग' में भी यही विभाजन दिखाई देता है। उस दौर की ध्वनि प्रक्रिया समझने के लिए यह महत्वपूर्ण है। सेट या लोकेशन पर संवाद और मूल ध्वनि पकड़ने की पहली ज़िम्मेदारी रिकॉर्डिस्ट की थी; रीमिक्सिंग बाद में स्टूडियो में होती थी।

लेकिन तकनीक बदलने पर दिनेश की असली चिंता मशीनों की नहीं थी। वह साफ़ कहते हैं कि उन्हें विज्ञान या नई तकनीक से शिकायत नहीं है। उनकी शिकायत यह थी कि जब उपकरण छोटे और आसान होते गए तो तकनीशियन की सामाजिक प्रतिष्ठा भी क्यों छोटी होती गई? पुराने दिनों को याद करते हुए वह कहते हैं कि के. के. महाजन जैसे वरिष्ठ तकनीशियन सामने हों तो युवा लोग सम्मान से खड़े रहते थे। लेकिन, बाद में मशीन आसान हुई तो तकनीकी अनुभव की कीमत भी कम हो गई। उनके शब्दों में भाव था, 'चीज़ें एडवांस हो गईं, लेकिन आदमी का दिल भी तो एडवांस होना चाहिए।

और यहीं साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी से कहानी ट्रेड यूनियन नेता दिनेश चतुर्वेदी की तरफ़ मुड़ती है। वह बताते हैं कि नौ साल तक फ़ेडरेशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज़ के महासचिव रहे। साल 2008 में फ़िल्म और टेलीविज़न उद्योग के एक लाख से अधिक कर्मियों ने बकाया भुगतान, निर्धारित मज़दूरी न मिलने और गैर-सदस्यों को कम पैसे पर काम देने के विरोध में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन किया तो दिनेश चतुर्वेदी फ़ेडरेशन के महासचिव के रूप में उसके प्रमुख चेहरों में थे। उस लड़ाई में केवल वेतन नहीं था। अगस्त 2008 में स्वतंत्रता दिवस की अनिवार्य छुट्टी पर भी फ़ेडरेशन ने स्टूडियो में जाकर शूटिंग रुकवाई। 2009 में सालाना वेतन वृद्धि लागू कराने के लिए निर्माताओं को फिर याद दिलाया गया। 2011 में शूटिंग के दौरान मज़दूरों पर हमले हुए तो दिनेश चतुर्वेदी उस प्रतिनिधिमंडल में थे जो महाराष्ट्र सरकार और पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा की मांग करने पहुंचा। सेट पर दुर्घटना में मज़दूर की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवज़े को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख करने की मांग भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाई।

चतुर्वेदी जी को याद करते हुए मुझे उनकी कही एक बात सबसे अधिक मार्मिक लगती है। वह कहते हैं कि फ़िल्म उद्योग की आख़िरी सीढ़ी तक कोई तभी पहुंचता है जब उससे पहले पहली और दूसरी सीढ़ी मौजूद हों। 'पहली सीढ़ी, दूसरी सीढ़ी नहीं होगी तो आख़िरी सीढ़ी कहां से आएगी?' स्टार वह आख़िरी चमकदार पायदान हो सकता है जिसे दुनिया देखती है, लेकिन उससे पहले स्पॉट बॉय है, लाइटमैन है, सेटिंग वाला मज़दूर है, रिकॉर्डिस्ट है, सहायक है, मेकअप आर्टिस्ट है, ड्राइवर है। पूरी इमारत उन लोगों के कंधों पर खड़ी होती है जिनके नाम पर कैमरा या किसी पत्रकार की कलम शायद ही कभी टिकती है। इसी सोच के कारण उन्होंने 'बसेरा' नाम से एक पहल शुरू करने की बात भी बताई। उनका कहना था कि करीब 2007 में यह कोशिश शुरू हुई और ज़रूरतमंद फ़िल्म कर्मियों के बीच भोजन के लगभग दो सौ पैकेट तक बांटे जाते थे। वह एक ऐसे पुराने गायक का उदाहरण देते हैं जिसके मशहूर गीत कभी पूरे देश में बजते थे, लेकिन जीवन के अंतिम हिस्से में घर चलाना कठिन हो गया। दिनेश को इससे गहरा दुख था कि जिस व्यक्ति की आवाज़ पर लाखों लोगों ने तालियां बजाईं, उसके घर में राशन है या नहीं, यह पूछने वाला कोई नहीं बचा।

दिलचस्प यह है कि इस कटु अनुभव के बावजूद दिनेश चतुर्वेदी पूरी इंडस्ट्री को कटघरे में खड़ा नहीं करते। वह उन लोगों को नाम लेकर याद करते हैं जो पुराने लोगों की ख़बर लेते थे। धीरज कुमार का फ़ोन, महेश भट्ट की चुहल, साजिद नाडियाडवाला की सड़क पर रोकी गई गाड़ी, टी. पी. अग्रवाल की मदद, इन सबको उन्होंने ऐसे सहेजकर रखा जैसे कोई आदमी अपने पुराने मेडल संभालकर रखता है।

उनका अंतिम इंटरव्यू कादर ख़ान को याद करने के लिए रिकॉर्ड हुआ था। बातचीत मोहम्मद अज़ीज़, महेश भट्ट, तकनीशियनों, यूनियनों और पुराने रिश्तों तक फैलती गई। शायद किसी को उस समय अंदाज़ा भी नहीं रहा होगा कि एक दिन यही बातचीत दिनेश चतुर्वेदी को समझने का सबसे सुंदर दस्तावेज़ बन जाएगी। वह लगातार दूसरों को याद रखने की अपील कर रहे हैं और आज वही आवाज़ हमें उन्हें याद रखने की वजह दे रही है।

अशोक वाजपेयी : कविता, सत्ता और सांस्कृतिक वर्चस्व के कठघरे में



गोलेन्द्र पटेल

अशोक वाजपेयी का प्रश्न केवल एक कवि के प्रश्न के रूप में नहीं देखा जा सकता। वे कवि होने के साथ-साथ प्रशासन, कला-संस्कृति, संस्थाओं और साहित्यिक आयोजनों की दुनिया से गहरे जुड़े रहे हैं। इसलिए उनके सार्वजनिक वक्तव्य, सांस्कृतिक मंचों पर उनकी उपस्थिति और साहित्यिक प्रतिष्ठान में उनकी भूमिका स्वाभाविक रूप से आलोचना के विषय बनती है। यहाँ मुद्दा यह नहीं कि अशोक वाजपेयी अच्छे कवि हैं या बुरे; मुद्दा यह है कि क्या साहित्यिक प्रतिष्ठा किसी लेखक को सामाजिक आलोचना से ऊपर उठा देती है? निश्चित ही नहीं। किसी कवि की काव्य-प्रतिभा का सम्मान करते हुए भी उसके सामाजिक दृष्टिकोण, सार्वजनिक वक्तव्यों और संस्थागत भूमिका पर सवाल उठाए जा सकते हैं। बल्कि जो व्यक्ति स्वयं सार्वजनिक बुद्धिजीवी की भूमिका में उपस्थित हो, उससे जवाबदेही की अपेक्षा और अधिक होती है। इसी संदर्भ में फेसबुक पर कृष्ण कल्पित की टिप्पणी बेहद तीखी है। वे अशोक वाजपेयी और अन्य साहित्यकारों को 'अवसरवादी' कहते हुए लिखते हैं, 'ये सब लिबरल कहलाते हैं लेकिन हैं अवसरवादी। अचूक अवसरवादी!' उनका आरोप है कि एक ऐसे आयोजन में साहित्यकार उपस्थित थे जहाँ, उनके अनुसार, सावरकर और गोडसे का महिमामंडन किया जा रहा था और उपस्थित साहित्यकारों ने उसका प्रतिवाद नहीं किया। कवि कृष्ण कल्पित की भाषा भले ही आक्रामक हो, लेकिन उसके भीतर एक गंभीर नैतिक प्रश्न छिपा है; साहित्यकार की वैचारिक प्रतिबद्धता की परीक्षा उसके लेखन से बाहर उसके सार्वजनिक आचरण में भी होती है या नहीं? यदि कोई लेखक लोकतांत्रिक, उदार और मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधि होने का दावा करता है, तो यह पूछना असंगत नहीं कि वह किन मंचों पर जाता है, किन सांस्कृतिक शक्तियों के साथ खड़ा होता है और किन परिस्थितियों में मौन रहता है। हाँ, कृष्ण कल्पित द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार अथवा अन्य गंभीर व्यक्तिगत आरोपों को प्रमाण (साहित्यिक सीबीआई जाँच) के अभाव में तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा।

कवि कँवल भारती का आरोप है, 'अशोक वाजपेयी की नज़र में ब्राह्मण होना ही आजकल साहित्यकार होने की सबसे बड़ी योग्यता है।' यह व्यक्तिगत आरोप है और इसे प्रमाणित तथ्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इस कथन के पीछे छिपे संरचनात्मक प्रश्न को टाला भी नहीं जा सकता; क्या हिंदी साहित्य का प्रतिष्ठान वास्तव में जाति-निरपेक्ष है? यदि इन संस्थाओं में सामाजिक प्रतिनिधित्व असंतुलित हो, तो 'प्रतिभा' की चर्चा को सामाजिक संरचना से काटकर देखना अधूरा होगा।

प्रश्न तब पैदा होता है जब जन्म से प्राप्त सामाजिक-सांस्कृतिक पूँजी को प्राकृतिक श्रेष्ठता समझा जाए या किसी सामाजिक पदानुक्रम को साहित्यिक योग्यता का अदृश्य प्रमाण बना दिया जाए। यहीं आचोलक डॉ. कमलेश वर्मा की टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है। वे अशोक वाजपेयी की विद्वत्ता को स्वीकार करते हुए लिखते हैं, 'अशोक वाजपेयी विद्वान् हैं। उनके कला कोविद होने पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा है।' लेकिन उसी के साथ वे कथित 'भड़भूजा' संबंधी वक्तव्य को उनकी साख को कमजोर करने वाला बताते हैं। वे आगे कहते हैं कि यदि अपनी जाति के अभिमान और दूसरे की जाति के अपमान को हास्य का आधार बनाया जाए, तो ज्ञान 'आत्मघाती' हो जाता है। यहाँ आलोचना का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है; विद्वत्ता नैतिक प्रतिरक्षा-कवच नहीं है। युवा आलोचक डॉ. मोतीलाल की टिप्पणी नैतिक प्रश्न को और तीखा करती है। वे लिखते हैं, 'निम्न कोटि के विचार महान आत्माओं के हृदय में पैदा नहीं होते हैं।

वे क्षुद्र हृदय में ही पैदा होते हैं। कवि कितना भी बड़ा हो, उसके शब्दों की सामाजिक परिणति पर प्रश्न उठेंगे। रचनाकार कितना भी प्रतिष्ठित हो, उसके सार्वजनिक वक्तव्यों की आलोचना होगी। साहित्यिक उपलब्धियाँ किसी मनुष्य को आलोचनातीत नहीं बनातीं और यहीं युवा कवि मोहन मुक्त की टिप्पणी इस पूरे विवाद को कविता से उठाकर श्रम, वर्ग और अर्थव्यवस्था के प्रश्न तक पहुँचा देती है।

बोध कथा

सच्ची मेहनत का फल



एक गाँव में रामू नाम का एक किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन उसका पड़ोसी मोहन हमेशा शॉर्टकट अपनाने की सोचता था। एक दिन दोनों ने अपने खेतों में बीज बोए। रामू रोज़ समय पर पानी देता, खेत की देखभाल करता और धैर्य रखता। दूसरी ओर, मोहन बिना मेहनत किए अच्छे परिणाम की उम्मीद करता रहा।

कुछ महीनों बाद रामू के खेत में हरी-भरी फसल लहलहाने लगी, जबकि मोहन के खेत में बहुत कम उपज हुई। यह देखकर मोहन को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने रामू से पूछा, 'तुम्हारी सफलता का रहस्य क्या है?' रामू मुस्कुराकर बोला, 'मेहनत, धैर्य और ईमानदारी ही सफलता की असली कुंजी हैं। उस दिन के बाद मोहन ने भी मेहनत करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे वह भी सफल किसान बन गया।

शिक्षा: जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और लगन आवश्यक हैं।

कविता

औरत



राजकुमार जैन राजन

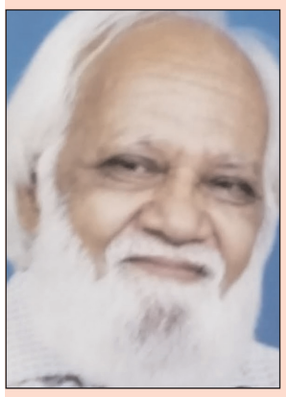
जब -जब भी
समय को मुट्ठी में
बांधने की
कौशिश की
समय उतना ही तेजी से
फिसलता रहा
रेत की तरह
उदासी की शैतान
परछाइयाँ
यादों के पद चिन्ह
बनकर
मन मस्तिष्क पर धमकती
है
फड़फड़ाती
जीवन के पिंजरे में
सामाजिक मानदंडों के
खोल चढ़ाए
अभिशप्त परम्पराओं
नि:शक्त संवेदनाओं के
बंधनो में छटपटा रही मैं
एक औरत हूँ

हमारा परिचय यही
हमारी गति यही
मन का एक दरवाजा खुलता है
तो दूसरा बन्द होता है
इतिहास निर्लज्ज है कि
वह औरत को
'ताड़न की अधिकारी' लिखता है
जबकि पा लिया हमने आज

सारा आकाश
अपने दु:ख के बोझ
हमने उतार फेंके
शिकवे कितने भी हो हर पल
मनुज़ को जन्म दिया हमने
स्त्रीत्व के ऋण से
कभी पर न पा सकोगे
अन्यथा
हमारे होने का अर्थ ही मिट जाएगा
और सृष्टि चक्र
एक पल में रुक जाएगा।?

व्यंग्य केसरी

मित्र का मित्र, दोस्त दुश्मन!



विप्रम

मित्र का मित्र ज़रूरी नहीं कि वह भी मित्र जैसा मित्र हो द्य तब उसे पहली नज़र में कैसे मान लें- मित्र द्य पहले से बना मित्र तो अकेला ही कई मित्रों के बराबर हुआ करता है द्य तब मित्र के मित्र को मित्र बना लेने से क्या लाभ? हानि भी हो सकती है द्य भले ही लाभ-हानि देख कर मित्र नहीं बनते द्य फ़िर देखा-देखी में बना मित्र तो आगे चल कर कुछ बने न बने पर वह दोस्त दुश्मन मतलब पैट दुश्मन ज़रूर बन कर रह जाता है द्य जिसे ज्ञानी दोस्त का नाम दे दिया जाए तो गलत नहीं द्य यह वह मित्र हो सकता है जो पहले से बने हुए मित्र को दिल से उतरवा भी सकता है द्य कहा जाता है कि मित्र बनाए नहीं जाते बल्कि बन जाते हैं द्य बने हुए मित्र ही निभाते हैं मैत्री द्य निभाने में रत्तीभर भी स्वार्थ नहीं देखते द्य

देखा जाए तो मित्र के मित्र की कहीं कोई अपनी जमीन नहीं होती द्य न कहीं कोई छत होती है न कोई धरातल द्य कहें तो टोटली बेसलैश द्य निराधार होता है द्य वैसे भी किसी की मार्फ़त बना या बन गया मित्र आगे भी सहारे की दरकारों में रहेगा द्य इस लिए कभी -कभी ख्याल आता है, साले का साला जब पटसाला हो सकता है तो मित्र का मित्र पटमित्र क्यों नहीं? द्य तब एक कहावत खुलके सामने आ जाती है कि पटसाले के बचाव में तो उसकी बहन खड़ी दिख जाती है द्य पर इस पटमित्र की वकालत को कौन आएगा ?

मित्र के मित्र को पुचकारने वाले तो बहुत मिल जाएंगे द्य पर उसे मित्र बनाकर अपने गले लगाने वाले बहुत कम द्य इन बहुत कम लोगों में देखना होगा कि इनकी नज़रें किस तरफ़ हैं द्य सब्ज बागों पर या एक दूसरे की जेबों पर द्य मित्र का मित्र किस मेल का है यह सबसे पहले देखना अति आवश्यक होता है द्य हालांकि सुना ये भी जाता है कि दोस्ती-मैत्री में कुछ नहीं देखा जाता द्य कहीं कोई कुछ ऊंच-नीच नहीं द्य जाति-धर्म का कोई भेदभाव नहीं द्य काले-गोरे से परे बस मित्र और मित्र के आगे कोई कुछ नहीं द्य समस्या तो तब दिखाई देने लगती है जब मित्र का मित्र उन्नीस से बीस बनने की चेष्टा में जरुरत से ज्यादा पेश आने की कोशिश करता है द्य बने हुए मित्र से और आगे दिखने लगता है द्य तब बिल्कुल सही लगता है कि मैत्री में सैंध लग गई है.

राजनीति में एक कहावत चला करती है कि दुश्मन के दुश्मन को मित्र बना लीजिए द्य दुश्मन नंबर एक वैसे ही मात खा जाएगा द्य ठीक इसी तर्ज़ अगर कोई मित्र तीन-पांच करता दिखता हो तो उसके मित्र को आधी- अधूरी बातें बता कर देखें द्य वह खुद से कुछ और जोड़ कर बात का बतंगड़ अवश्य बना दिया करता है या आपको कुछ सुझा रहा है तो समझ सकते हैं वह आपका मित्र नहीं है, बल्कि ज्ञानी मित्र है द्य गर्त की ओर ले जाना चाहता है द्य मित्रों में देखा जाए तो एक-आध बार दोस्त दुश्मन तो चल जाया करते हैं पर ज्ञानी दुश्मन कदापि नहीं ।

इतिहास

26 सितंबर : इतिहास में आज

1907 - न्यूजीलैंड ने ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर डोमिनियन का दर्जा प्राप्त किया।

1950 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इंडोनेशिया के पक्ष में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया।

1960 - अमेरिका में पहली बार राष्ट्रपति पद की बहस टेलीविजन पर प्रसारित हुई, जिसमें जॉन एफ. कैनेडी और रिचर्ड निक्सन आमने-सामने थे।

1973 - भारत में प्रसिद्ध अभिनेता और फिल्म निर्देशक देव आनंद को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

1983 - सोवियत संघ के अधिकारी स्टानिस्लाव पेत्रोव ने परमाणु हमले की गलत चेतावनी को वास्तविक हमला मानने से रोककर संभावित संकट टाला।

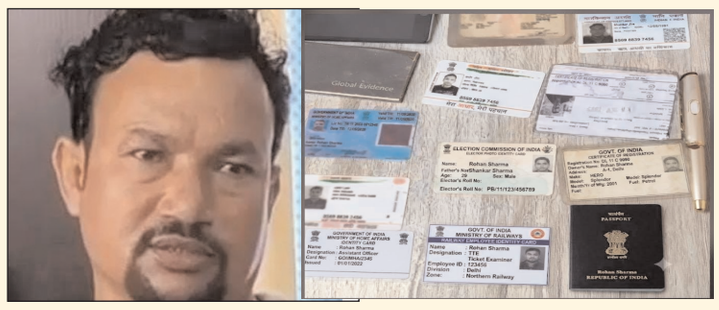
1990 - भारत के प्रसिद्ध क्रिकेटर ई. ए. एस. प्रसन्ना को क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

19 साल बादबांग्लादेशी नागरिक पकड़ा गया

सीपत एनटीपीसी में करता था लिफ्ट मेंटेनेंस का काम

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। अवैध रूप से भारत में निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों की पतासाजी के दौरान बिलासपुर पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब 19 वर्षों से बिलासपुर में रह रहा था और सीपत स्थित एनटीपीसी में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करता था। उसके पास भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस सहित कई दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने इन दस्तावेजों को गलत तरीके से बनवाने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक करीब 20 दिन पहले सिरगिट्टी थाना क्षेत्र से संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रायपुर स्थित होल्डिंग सेंटर भेजा गया था। इसी दौरान एक व्यक्ति वहां से निकल गया था। उसकी तलाश लगातार की जा रही थी। एसटीएफ निरीक्षक संजय शिंदे को सूचना मिली कि उक्त व्यक्ति सरकंडा क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसटीएफ टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर निगरानी शुरू की। 24 सितंबर 2026 को तड़के करीब 5 बजे सूर्या विहार कॉलोनी स्थित किराये के मकान में दबिश देकर संदिग्ध को हिरासत में



लिया गया। इससे पहले उसके बंगालीपारा गली नंबर-3, सरकंडा में रहने की जानकारी भी पुलिस को मिली थी।

पूछताछ में सामने आई बांग्लादेश की पहचान

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अतीक हुसैन (42), पिता स्वर्गीय मोहम्मद हुसैन बताया। उसने अपना मूल पता ग्राम नाईखोने, थाना अरैहजार, जिला नारायणगंज, ढाका, बांग्लादेश बताया है। पुलिस के मुताबिक अतीक ने बताया कि वह वर्ष 2005 में बांग्लादेश से भारत आया था। वर्ष 2005 से 2007 तक तमिलनाडु में रहने के बाद वह वर्ष 2007 में बिलासपुर पहुंचा। इसके बाद वह एनटीपीसी सीपत में BECO LIFTS PRIVATE LIMITED के माध्यम से लिफ्ट मेंटेनेंस का काम कर रहा था।

पासपोर्ट, आधार और वोटर आईडी समेत कई दस्तावेज बरामद - पुलिस टीम ने आरोपी के किराये के मकान की तलाशी लेकर उसके दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और कक्षा की अंकसूची समेत कई दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने इन दस्तावेजों को गलत तरीके से बनवाए जाने की बात स्वीकार की है। इनका कागजात में उसने अपना नाम भी छद्म रूप से बदलकर रखा हुआ था, हालांकि दस्तावेजों की वैधानिकता, उनके निर्माण की प्रक्रिया और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की जांच की जा रही है।

अब डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू - बिलासपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बांग्लादेश डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रक्रिया पूरी होने तक उसे रायपुर स्थित होल्डिंग सेंटर भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार भारत में स्थित संबंधित बांग्लादेशी दूतावास को भी मामले की सूचना दी जाएगी। यह कार्रवाई एसएसपी रजनेश सिंह के मार्गदर्शन तथा स्क्वॉड की नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रशमीत कौर चावला के नेतृत्व में की गई। टीम में निरीक्षक संजय शिंदे, जिला विशेष शाखा के उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह, आरक्षक कमल साहू और आरक्षक अभिषेक यादव शामिल रहे।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने पुलिस की अपील- बिलासपुर पुलिस ने अवैध रूप से निवासरत व्यक्तियों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-233-1905 जारी किया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी व्यक्ति की पहचान, निवास अथवा दस्तावेजों को लेकर संदेह होने या किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस के अनुसार अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और बिना वैध दस्तावेजों के निवास करने वाले व्यक्तियों की पतासाजी का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ओपन यूनिवर्सिटी के प्रति नई पीढ़ी का बढता रूझान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है आज भारत की जनसंख्या 140 करोड़ को पार कर गई हैं ,लेकिन आज भारत मे मात्र 18 मुक्त विश्वविद्यालय संचालित है। देश का पहला विश्व विद्यालय इग्नू है जो केंद्रीय मुक्त विश्वविद्यालय है वाकी के 17 राज्यों मे संचालित है।

इन मुक्त विश्वविद्यालयों मे देश की आबादी के मात्र. 62 प्रतिशत लोग ही अध्ययनरत् है। 50 लाख छात्र तो सिर्फ इग्नू मे ही पढ़ रहे हैं वाकी के छात्र अन्य 17 मुक्त विश्वविद्यालय में दाखिला लिए हुए, 2014 के बाद और नयी शिक्षा नीति में बदलाव के बाद छात्रों का या कह सकते है। नयी पीढ़ी का रुझान मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ़ बढ़ा है उसके प्रमुख 10 कारण है। 1. कम लागत में शिक्षा-निजी विश्वविद्यालयों की तुलना मे देखा जाए तो ओपन यूनिवर्सिटी की फीस काफी कम होती है और छात्रों को अध्ययन सामाग्री भी साथ में मिलती हैं जो बाजार की तुलना मे बहुत ही कम दाम मे उपलब्ध हो जाती हैं अर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए वरदान है। लचीलापन-आज की नयी पीढ़ी का आकर्षण मुक्त विश्व विद्यालय बनते



जा रहे है उसका दूसरा प्रमुख कारण है इसका लचीलापन, उम्र की कोई बाध्यता नहीं है 18 साल से 80 साल तक के लोग आसानी से प्रवेश लेकर मनचाही पढाई कर सकते है घर बैठे लर्निंग मटेरियल उपलब्ध है, समय की भी बचत होती हैं। 3. नौकरी मे बाधा नहीं- छात्रों का रुझान मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ़ ऐसे ही नहीं बढ़ा है ।आज देश के 12% कर्मचारी मुक्त विश्वविद्यालय मे अध्ययन रत इसमे फुल टाइम या पार्ट टाइम कोर्स करने की आवश्यकता नहीं है घर बैठे ही उच्च शिक्षा हासिल कर सकता है, यानी पढाई के साथ कमाई भी इसीलिए मुक्त विश्वविद्यालय आकर्षण का केंद्र बनते जा रहे हैं। उक्त जानकारी देते हुए ओपन यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम समन्वयक भूपेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से निकले छात्रों को आसानी से रोजगार उपलब्ध होता है निजी एव अन्य शैक्षणिक संस्थानों की अपेक्षा। 4. परीक्षा की तैयारी करना-नयी पीढ़ी अब अच्छी तरह से समझ रहीं हैं कि मुक्त विश्वविद्यालय उनके लिए कितने महत्वपूर्ण बनते जा रहे हैं, इनमे प्रवेश के पश्चात वो आसानी से प्रतियोगी परीक्षा जैसे बैंक, रेल्वे, पी एस सी, यूपीएससी की तैयारी आसानी से घर बैठे कर सकता है, इसीलिए मूक विश्व विद्यालयों मे लगातार प्रवेश बढ़ रहा हैं। 5. स्किल डेवलपमेंट या वोकेशनल कोर्स-मुक्त विश्वविद्यालयों मे कई तरह के स्किल डेवलपमेंट वाले कोर्स कराए जा रहे हैं जिस से छात्रों का रुझान इस और बढ़ता ही जा रहा है डिग्री के साथ अन्य प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकता है और अच्छी जॉब भी ऑफर हो रहीं हैं डिजिटल कोर्स, मार्केटिंग मे, डाटा एनालिस्ट एमबीए जैसे कोर्स भी संचालित हो रहे हैं जिस से छात्र आकर्षित हो रहे हैं। 6. डिजिटल ऑनलाइन कोर्स , नयी पीढ़ी देख रहीं हैं कि अब मुक्त विश्वविद्यालय भी उनके मनचाहे पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं घर बैठे ही अच्छे से पढाई कर सकता है क्योंकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में e-book, e-study मटेरियल सब कुछ एक ही क्लिक मे उपलब्ध है आज छात्र मोबाइल या कंप्युटर मे ही आसानी से पढाई कर सकता है।

नपा की अपील, तालाब में न करें प्रतिमा विसर्जन

विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। गणेश विसर्जन को देखते हुए नगर पालिका द्वारा सभी गणेश समितियों से तालाबों में प्रतिमा विसर्जन न करने की अपील की लोग माखौल उड़ा रहें। जलकुंभी से अटे नगर के सबसे बड़े रामबाधा तालाब में पानी तक दिखाई नहीं दे रहा है मुंह धोने की जगह नहीं है ऐसे में विसर्जन की कल्पना करना हकीकत से परे हैं.।

पालिका अध्यक्ष ने कहा हैं कि तालाबों के पानी का उपयोग आम जनता द्वारा निस्तारी के लिए किया जाता है, केमिकल युक्त मूर्तियों से पानी प्रदूषित होगा।

लेकिन इस अपील के साथ ही शहर में नपा प्रशासन की



कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े हो रहा है कि एक तरफ प्रशासन तालाब को प्रदूषण से बचाने की चिंता दिखा रहा है, वहीं दूसरी तरफ चांपा के सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक रामबांधा तालाब की दुर्दशा पर आंखें मूंदे बैठा है।

जलकुंभी ने छीना निस्तारी का अधिकार- रामबांधा तालाब की वर्तमान स्थिति अत्यंत दयनीय है। पूरा तालाब जलकुंभी की मोटी चादर से ढका हुआ है। हालात इतने खराब हैं कि स्थानीय लोगों को नहाना तो दूर, सुबह मुंह धोने के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। वर्षों से इस तालाब पर निर्भर रहने वाले लोग आज पानी के लिए तरस रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि जब तालाब पहले से ही जलकुंभी के कारण अनुपयोगी हो चुका है, तब ऐसी अपील जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है।

नगर बंद का दिखा व्यापक असर मेडिकल सेवाओं को छोड़ दुकानें रहीं बंद

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर व्यापारी संघ द्वारा 25 सितंबर को किए गए नगर बंद का व्यापक असर देखने को मिला। मेडिकल सेवाओं को छोड़कर नगर की प्राय: सभी दुकानें दिनभर बंद रहीं। बाजार बंद रहने से सामान्य दिनों की तुलना में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहीं और मुख्य बाजार में सन्नाटा पसरा रहा।

व्यापारी संघ ने नगर की बदहाल सड़कों, जगह-जगह गड्ढों, नालियों की नियमित सफाई नहीं होने, धूल की समस्या तथा पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर पंचायत एवं प्रशासन के समक्ष आवेदन सौंपा था।



समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर 25 सितंबर को नगर बंद का आह्वान किया गया था। सराफा संघ, सब्जी व्यवसायी संघ सहित अन्य व्यापारियों ने भी बंद का समर्थन किया।

सफाई के लिए खोली दुकान, ग्राहकों से कहा- कल आइए - नगर बंद के दौरान एक दिलचस्प वाकया भी सामने आया। नगर के पुराने व्यापारी साव स्टोर, जो वर्तमान में जीत चश्मा घर के नाम से संचालित है, के संचालक ने नगर बंद का लाभ उठाते हुए अपनी दुकान की साफ-सफाई शुरू कर दी। इसी दौरान कुछ ग्राहक चश्मा और टोपी खरीदने के लिए दुकान पर पहुंच गए। ग्राहकों की मांग पर दुकान संचालक ने स्पष्ट किया कि 'आज नगर बंद है। मैंने दुकान केवल साफ-सफाई के लिए खोली है। अगर आपको सामान खरीदना है तो कल आकर खरीद लीजिए।' इसके बाद ग्राहक वापस लौट गए। नगर बंद के दौरान यह प्रसंग स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

सीएमओ यशवंत देवांगन निलंबित

विश्व केसरी■

भटगांव । सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ में 'मिशन क्लीन सिटी' और 'जय मां समलाई स्व-सहायता समूह' की स्वच्छता दीदियों के लंबे संघर्ष की आखिरकार जीत हुई है। महिलाओं के कड़े विरोध और 29 सितंबर को एसडीएम कार्यालय के 'महाघेराव' की चेतावनी के बाद, शासन ने दागी प्रभारी सीएमओ यशवंत कुमार देवांगन को 25 सितंबर 2026 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत सीएमओ पर लगे गंभीर आरोपों से हुई थी। 10 सितंबर 2026 को सौंपी गई एसडीएम की जांच रिपोर्ट में यह सिद्ध हो गया था कि सीएमओ देवांगन ने स्वच्छता दीदियों के साथ अश्लील हरकतें कीं, द्विअर्थी बातें कीं और उनका यौन उत्पीड़न किया। इसके



अलावा, 'वूमेन फार ट्री' योजना और अन्य कार्यों का भुगतान भी जानबूझकर रोका गया। जब महिलाओं ने शिकायत की, तो बदले की भावना से सीएमओ ने शासकीय दस्तावेजों में गंभीर कूटरचना (फर्जीवाड़ा) की। 14 अगस्त को परिषद की बैठक में 'पचरी निर्माण' के लिए सर्वसम्मति से पास हुए एजेंडा क्रमांक 21 को, 7 सितंबर को बंद कमरे में बदलकर महिलाओं को नौकरी से निकालने का फर्जी प्रस्ताव बना दिया गया।

अवैध शराब कारोबारी पर कार्रवाई

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। कलेक्टर के निर्देश पर और जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्यालय कलेक्टर और जिला कार्यालय में प्राप्त शिकायत पर को आबकारी वृत्त मालखरौदा के ग्राम अण्डा थाना मालखरौदा में एक छद्म क्रेता के माध्यम से मदिरा खरीदी की पुष्टि होने पर परमानंद लहरे के ठेले के पास मय स्टाफ पहुंचे ,ठेले में उसका पुत्र लव कुमार लहरे उम्र 20वर्ष उपस्थित मिला छद्म क्रेता द्वारा लव कुमार लहरे द्वारा ही मदिरा बिक्री करना बताया तत्पश्चात उसके ठेले की विधिवत जांच में एक सफेद रंग की झोले में 10 नग देशी प्लेन मदिरा,04 नग देशी मसाला मदिरा व एक नग पाउच महुआ मदिरा कुल मात्रा - 2.62 लीटर जप्त कर धारा 34(1)ख के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया । उपरोक्त कार्रवाई मंडल प्रभारी आशीष उप्पल सर के नेतृत्व में वृत्त मालखरौदा प्रभारी कोमल प्रसाद सिदार, आर मुरलीधर नायक, श्रवण द्विवेदी ,आबकारी स्टाफ कमलेश , भारती यादव एवं नगर सैनिक का सराहनीय योगदान रहा ।

रासेयो स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों ने दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय एवं श्री ऋषभ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनाहिल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस उत्साह एवं सेवा भावना के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम अधिकारियों अरविंद कुमार मिरी एवं दुर्गा टंडन के नेतृत्व में गोदग्राम पकरियाझूल में एक दिवसीय शिविर आयोजित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव की गलियों, चौक-चौराहों, चबूतरों, सामुदायिक भवन तथा हैंडपंप-बोर के आसपास सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान 'शिक्षा से ही होगा देश का



विकास', 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' और 'हम सबने यह ठाना है, राष्ट्र को स्वच्छ बनाना है' जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया।स्वयंसेवकों के सेवा कार्य से प्रभावित होकर सरपंच, पंचगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, युवा एवं ग्रामीणजन भी अभियान में सहभागी बने। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यार्थियों का यह प्रयास केवल सफाई अभियान नहीं, बल्कि गांव के प्रति उनके अपनत्व और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने महाविद्यालय परिवार और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।'कबाड़ से जुगाड़' में दिखी रचनात्मकता स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में 'कबाड़ से जुगाड़' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं ने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री तैयार कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

स्मार्ट मीटर पर बढ़ते विरोध के बीच बदली रणनीति

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़ने की शिकायतों और उपभोक्ताओं के बढ़ते विरोध के बीच बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर लगाने की कार्ययोजना में बदलाव किया है।

नए कनेक्शन और खराब मीटर वालों को प्राथमिकता -शहर में कुल 1.55 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक करीब 1.07 लाख मीटर लगाए जा चुके हैं। फिलहाल सामान्य उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलने की रफ्तार धीमी कर नए बिजली कनेक्शन लेने वाले तथा खराब मीटर वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

1.55 लाख में अब तक 1.07 लाख मीटर लगे- शहर के कई इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंच रही जीनस कंपनी की टीमों को उपभोक्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद



उनके बिजली बिल पहले की तुलना में अधिक आने लगे हैं। दूसरी ओर बिजली विभाग का कहना है कि बिल मीटर में दर्ज वास्तविक बिजली खपत के आधार पर ही तैयार किए जा रहे हैं।

47 मीटरों की लैब में जांच, सभी सही मिले -स्मार्ट मीटर की सटीकता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच विभाग ने अलग-अलग क्षेत्रों में चेक मीटर भी लगाए हैं। इनके माध्यम से स्मार्ट मीटर और चेक मीटर की रीडिंग का मिलान किया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर की रीडिंग पर संदेह है, उन्हें मीटर लैब में जांच कराने की सुविधा भी दी जा रही है।विभाग के अनुसार पिछले महीने 47 उपभोक्ताओं ने मीटर की जांच कराई। जांच में सभी 47 मीटर सही पाए गए। विभाग का कहना है कि जांच प्रक्रिया का उद्देश्य उपभोक्ताओं की शंकाओं का तकनीकी रूप से समाधान करना है।

बिल जारी होते ही रोज पहुंच रहे 50 से ज्यादा शिकायतकर्ता - स्मार्ट मीटर को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें बिजली बिल बढ़ने की हैं। प्रत्येक महीने बिल जारी होने के बाद बिजली विभाग के कार्यालयों में बड़ी संख्या में उपभोक्ता अधिक बिल आने की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। विभाग के अनुसार रोजाना 50 से अधिक उपभोक्ता इस तरह की शिकायत लेकर पहुंचते हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत के आधार पर बिल तैयार होने की जानकारी दी जा रही है। हालांकि, बिल बढ़ने की शिकायतों को लेकर उपभोक्ताओं में असंतोष अब भी बना हुआ है।

महापौर संजय पांडे की पहल पर कलेक्टर ने बनाई उच्च स्तरीय समिति

दलपत सागर को जलकुंभी मुक्त करने 49.95 लाख, पारदर्शी व्यय हेतु निगरानी समिति गठित

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शहर की पहचान और ऐतिहासिक जलस्रोत दलपत सागर को जलकुंभी मुक्त करने के अभियान को अब निगरानी और जवाबदेही का मजबूत तंत्र मिल गया है। दलपत सागर की सफाई एवं जलकुंभी निष्कासन के लिए सीएसआर मद से उपलब्ध 49.95 लाख की राशि से होने वाले कार्यों की सतत निगरानी के लिए महापौर और महापौर परिषद की मांग पर जिला प्रशासन ने निगरानी समिति का गठन किया है। निगरानी व्यवस्था के गठन की पहल महापौर संजय पांडे ने की थी। महापौर ने कलेक्टर आकाश छिकारा से मुलाकात कर दलपत सागर की स्वच्छता एवं जलकुंभी निष्कासन कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी समिति गठित करने की सिफारिश की थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरण विशेषज्ञों, मीडिया और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए समिति का गठन किया है।

यह निगरानी समिति समय-समय पर दलपत सागर पहुंचकर सफाई कार्यों की प्रगति, जलकुंभी निष्कासन, गुणवत्ता और कार्य की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करेगी। समिति का उद्देश्य कार्यों का सतत



अनुश्रवण, पारदर्शी क्रियान्वयन और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन द्वारा गठित समिति में अपर कलेक्टर, डीएसपी चंद्रहास सिन्हा, नगर निगम आयुक्त द्वारा नामित प्रतिनिधि, स्वच्छता समिति अध्यक्ष लक्ष्मण झा, पार्षद राकेश मौर्य, पार्षद कुबेर देवांगन, पार्षद पारुल बोथरा, एनएमडीसी एजीएम विनोद पांडे, मीडिया प्रतिनिधि मनीष गुप्ता, इंद्रावती बचाओ अभियान, दलपत सागर बचाओ समिति के प्रतिनिधि किशोर पारख, पर्यावरण विशेषज्ञ एवं उद्यानिकी कॉलेज के डीन जीपी नाग, नगर निगम आयुक्त तथा बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष श्याम सोमानी को शामिल किया गया है।

सफाई संग पारदर्शिता भी जरूरी: पांडे

महापौर संजय पांडे ने समिति के सदस्यों का स्वागत करते और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए जिला प्रशासन का आभार माना है। महापौर ने समिति में जनभागीदारी, जनप्रतिनिधि, पर्यावरणविद, गणमान्य नागरिक, कांग्रेस एवं निर्दलीय पार्षद , प्रशासन एवं एनएमडीसी के अधिकारी शामिल होकर संतुलित समिति बनने पर कहा कि दलपत सागर केवल नगर निगम की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे शहर की पहचान और धरोहर है। इसे जलकुंभी मुक्त करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दलपत सागर को पूरी तरह जलकुंभी मुक्त कर स्वच्छ और सुंदर स्वरूप देना हमारा लक्ष्य है।

झीरम कांड में बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में की अपील

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। झीरम घाटी मामले में एनआईए कोर्ट की ओर से 10 दोषियों को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा को बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोषियों की और से अधिवक्ता ने अपील दायर की है। अब हाई कोर्ट द्वारा नोटिस जारी करने की प्रतीक्षा की जा रही है।

बचाव पक्ष के वकील अरविंद चौधरी ने बताया कि दोषियों के परिजनों से चर्चा के बाद अपील की अर्जी दायर की की गई। झीरम घाटी हत्याकांड मामले में करीब 13 साल बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया था। जिसमें विशेष न्यायाधीश



अजय सिंह राजपूत ने बुधवार को सजा पर फैसला सुनाया था। जगदलपुर की विशेष NIA अदालत ने मामले में दोषी ठहराए गए सभी 10 आरोपियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई। 5 सितंबर को अदालत ने मामले में सुनवाई का सामना कर रहे सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया था। इसके बाद सजा के निर्धारण के लिए 16 सितंबर की तारीख तय की गई थी। बुधवार को अदालत ने सभी दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। मामले में बचाव पक्ष में हाई कोर्ट में अपील कर ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए मृत्युदंड के फैसले को चुनौती दी है।

इन 10 आरोपियों को मिली मृत्युदंड की सजा - इस मामले में दोषी ठहराए गए आरोपियों में प्रमिला मोडियाम, सुमित्रा पुनेम, मुक्का मांडवी, मड़कामी देवा, कोसा कवासी, आयत मरकाम, बंजामी सेना, चैतू लेकाम, जोगा मड़कामी और महादेव नागा शामिल हैं। सभी आरोपी वर्तमान में केंद्रीय जेल में बंद हैं।

गिरावट के बाद बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 315 अंक चढ़ा

विश्व केसरी■

मुंबई। पिछले दिन की बड़ी गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.43 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

पश्चिम एशिया में लगातार हमलों के बावजूद अमेरिका-ईरान युद्धविराम की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में गिरावट के चलते प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक दिन के उच्च स्तर पर बंद हुए।

सेंसेक्स 315.20 अंक यानी 0.43 प्रतिशत बढ़कर 73,895.74 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 77.40 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढकर 23,140.50 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,580.54 से मामूली 54.61 अंक गिरकर 73,525.92 पर खुला और दिन के सत्र में इसने 387.51 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,968.05 का उच्चतम स्तर छुआ।



वहीं, निफ्टी अपने पिछले बंद 73,968.05 से 28 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 23,035 पर खुला और इंट्रा-डे ट्रेडिंग में इसने 99.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,162.70 का उच्चतम स्तर छुआ। इस दौरान, व्यापक बाजार में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.14 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी सीमेंट, निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 में एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, पावरग्रिड, टाइटन और इंडिगो के शेयर टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि मैक्स हेल्थ, टीएमपीवी, इंफोसिस, ओएनजीसी और ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बॉन्ड यील्ड के ऊंचे स्तर पर बने रहने के कारण बाजार में रिकवरी सीमित रही। महंगाई, विदेशी फंड की निकासी और उभरते बाजारों (ईएम) की करेंसी पर दबाव की चिंताएं बनी रहीं। हालिया गिरावट के बाद चुनिंदा शेयरों में खरीदारी से बाजार का रुख सकारात्मक बना रहा, हालांकि बढ़त एक सीमित दायरे तक ही सीमित रही।

आईआरडीएआई के प्रस्तावित नए नियमों से देश में बदल जाएगा पूरा इंश्योरेंस इकोसिस्टम

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से प्रस्तावित नए नियमों से देश के इंश्योरेंस इकोसिस्टम में बड़ा संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है और इससे इंश्योरेंस इंडस्ट्री में प्रोडक्ट के मुताबिक कमीशन कैप की नई व्यवस्था लागू हो सकती है। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से दिया गया।

इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में बड़े सुधारों का प्रस्ताव दिया है। इसमें एक आसान तीन-स्तरीय ढांचा शामिल है, जिसका उद्देश्य पॉलिसीहोल्डर्स के लिए लागत कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और बड़े पैमाने पर गलत तरीके से पॉलिसी बेचने के खिलाफ सुरक्षा को मजबूत करना है।

जानकारों के मुताबिक, इस कदम से निश्चित रूप से ग्राहकों को फायदा होगा, लेकिन इससे बैंक-एश्योरेंस पार्टनर और एनबीएफसी जैसे डिस्ट्रीब्यूटर्स के



मार्जिन पर तुरंत दबाव भी पड़ेगा।

डेलॉइट इंडिया के पार्टनर देबाशीष बनर्जी ने कहा, 'आखिरकार, इस प्रस्ताव का मकसद डिजिटल तरीकों को अपनाना, पॉलिसी को लंबे समय तक बनाए रखना और एक ऐसा मार्केट बनाना है जो टिकाऊ हो और ग्राहकों को प्राथमिकता दे। जैसा कि कहा जाता है, 'जरूरत ही आविष्कार की जननी है', और ये बदलाव कंपनियों को नए तरीके सोचने और अपनाने के लिए मजबूर करेंगे।'

'बीमा वितरण के अर्थशास्त्र को फिर से तय करने' पर आईआरडीएआई के कंसल्टेशन पेपर में नए वाहनों के मोटर इंश्योरेंस के लिए कमीशन या भुगतान की सीमा तय करने का प्रस्ताव है। इसके तहत थर्ड-पार्टी प्रीमियम के लिए यह भुगतान शून्य और खुद के नुकसान व उससे जुड़े कवर के लिए 5 प्रतिशत रखने का सुझाव दिया गया है।

इससे 'टेक्नोलॉजी, जागरूकता और उससे जुड़े खर्च' भी कमीशन की सीमा के दायरे में आ जाएंगे, और मौजूदा मोटर इंश्योरेंस सर्विस प्रोवाइडर (एमआईएसपी) सिस्टम की जगह एक व्यापक इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन एंटिटी (आईडीई) सिस्टम ले लेगा। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की पार्टनर शैलजा लाल ने कहा, 'इन बदलावों का ऑटोमोबाइल डीलरों, ओईएम से जुड़े ब्रोकर्स, इंश्योरेंस कंपनियों और मोटर इंश्योरेंस बेचने वाले अन्य लोगों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा। नई गाड़ियों की पॉलिसी से होने वाली शुरुआती कमाई कम होने और डीलर से जुड़े समझौतों के कड़े होने से, डिस्ट्रीब्यूशन मार्जिन और कम हो सकता है।'

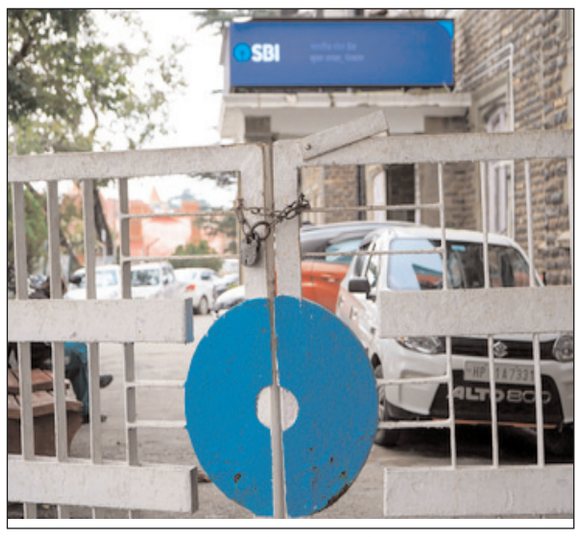
एसबीआई का बड़ा कदम, बैंक हड़ताल अवधि में 28 से 30 सितंबर तक नहीं लगेगा एटीएम लेनदेन पर शुल्क

विश्व केसरी■

मुंबई। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 28-30 सितंबर तक की अवधि में सभी एटीएम लेनदेन को नि:शुल्क कर दिया है। बैंक ने यह कदम ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया है, जिससे हड़ताल की अवधि में लेनदेन करने में कोई परेशानी न हो।

एसबीआई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट में बताया गया कि प्रस्तावित हड़ताल के दौरान भी आपकी बैंकिंग जरूरतों के लिए एसबीआई की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पोस्ट में बताया कि बैंकिंग सेवाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए एसबीआई प्रतिबद्ध है। इसके तहत 28 से 30 सितंबर, 2026 तक एटीएम शुल्क माफ रहेगा।



ग्राहकों द्वारा किसी भी बैंक के एटीएम के माध्यम से लेनदेन करने पर कोई शुल्क नहीं लेगा।

बैंक ने आगे कहा कि हड़ताल के चलते ग्राहकों की सुविधाओं के लिए सभी ब्रांच रविवार को भी खुली रहेंगी।

इसके अलावा, हड़ताल की अवधि में यूपीआई, आईएमपीएस, आटीजीएस और एनईएफटी भुगतान जैसी ऑनलाइन भुगतान की सुविधाएं यथावत जारी रहेंगी।

इससे पहले बुधवार को वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर, 2026 तक तीन दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल बुलाई है। यह हड़ताल 26 और 27 सितंबर की वीकेंड की छुट्टियों के ठीक बाद हो रही है, इसलिए सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से ही जरूरी कदम उठाए हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आम लोगों की बैंकिंग से जुड़ी जरूरी जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, सभी पब्लिक सेक्टर बैंक और रीजनल रूरल बैंक रविवार, 27 सितंबर 2026 को सामान्य रूप से काम करेंगे।

बयान में आगे कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम-लिंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है।

98 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में बेहतर वृद्धि की जताई उम्मीद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत की विकास संभावनाएं वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के ताजा आउटलुक में शामिल सभी क्षेत्रों में अब भी सबसे मजबूत बनी हुई हैं। सर्वेक्षण में शामिल मुख्य अर्थशास्त्रियों में से 98 प्रतिशत ने अगले 12 महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था में मध्यम या उससे बेहतर वृद्धि की उम्मीद जताई है। इनमें 74 प्रतिशत ने भारत में मजबूत या बहुत मजबूत वृद्धि की संभावना जताई है, जबकि मई में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत था।

डब्ल्यूईएफ ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान अगस्त में बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया था, जो घरेलू मांग में लगातार बनी मजबूती को दर्शाता है। डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट के अनुसार, 'मजबूत घरेलू मांग से विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है, हालांकि ऊंची ऊर्जा कीमतें अब भी विकास के परिदृश्य पर दबाव डाल रही हैं।'

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सर्वेक्षण रिपोर्ट



मई के बाद से महंगाई को लेकर उम्मीदों में नरमी आई है। अगले 12 महीनों में 55 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों को मध्यम महंगाई और 45 प्रतिशत को ऊंची महंगाई की उम्मीद है। मई में 61 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने ऊंची या बहुत ऊंची महंगाई की आशंका जताई थी।

अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई सालाना आधार पर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। यह 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से ऊपर रही, लेकिन 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर बनी रही।

आउटलुक के अनुसार, अधिकांश यानी 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि मौद्रिक नीति में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि 24 प्रतिशत ने मौद्रिक नीति के सख्त होने की संभावना जताई है। अगस्त में नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई थी और मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ रखा गया था। राजकोषीय नीति में भी व्यापक रूप से स्थिरता बने रहने की उम्मीद है। 72 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने इसमें कोई बदलाव नहीं होने की संभावना जताई, जबकि 22 प्रतिशत ने नीति में ढील की उम्मीद की। आउटलुक में कहा गया, 'मजबूत आर्थिक वृद्धि और निर्धारित सीमा के भीतर बनी महंगाई, नीतिगत स्थिरता को लेकर सर्वेक्षण में जताई गई उम्मीदों के अनुरूप है।'

हालांकि, शेयर बाजार का प्रदर्शन उतना मजबूत नहीं रहा है। इस साल की शुरुआत से 19 अगस्त तक निफ्टी 50 में 7.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। बेरोजगारी को लेकर 70 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों को अगले 12 महीनों में कोई बदलाव नहीं होने की उम्मीद है। वहीं, 17 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बेरोजगारी बढ़ने और 13 प्रतिशत ने इसके घटने की संभावना जताई है।

'मेक इन इंडिया' के 12 वर्ष : इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन सात गुना और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग 32 गुना बढ़ी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। देश में बड़े स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए लाई गई 'मेक इन इंडिया' स्कीम को शुक्रवार को 12 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस योजना को 25 सितंबर, 2014 को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य देश को मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और इनोवेशन में ग्लोबल बनाना है।

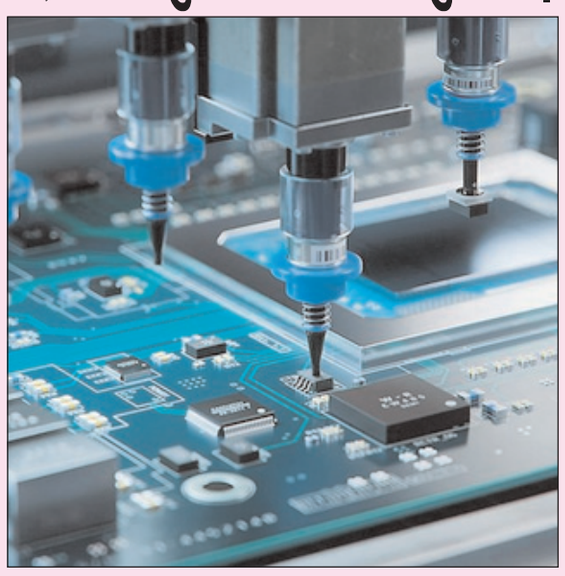
इस योजना के आने के बाद से देश के कई सेक्टर में बड़ा बदलाव आया है। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में उत्पादन कई गुना बढ़ गया है। वहीं, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स जैसे क्षेत्रों में उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले सात गुना बढ़कर 13.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसमें मोबाइन फोन उत्पादन करीब 32 गुना बढ़कर 6.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 18,900 करोड़ रुपए था। अब वॉल्यूम के हिसाब से देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरर बना गया है।

कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 2025-26 में करीब 15.8 गुना बढ़ा है।

देश में कच्चे स्टील का उत्पादन 2014-15 में 81.7 मिलियन टन से बढ़कर 2025-26 में 170.0 मिलियन टन हो गया है।

वहीं, वाहनों का उत्पादन 2014-15 के मुकाबले 2024-25 में 33 प्रतिशत बढ़कर 31.03



मिलियन यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस दौरान यात्री और वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन 65 प्रतिशत बढ़ा है। दोपहिया वाहनों का उत्पादन 30 प्रतिशत और तिपहिया वाहनों का उत्पादन 71 प्रतिशत बढ़ा है।

इसके अलावा, भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में तीसरे और वैल्यू के हिसाब से 11वें स्थान पर है। पिछले पांच वर्षों में 9.2 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ते हुए, 2025-26 में सालाना टर्नओवर 5,08,630 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 2025-26 के दौरान फार्मास्युटिकल निर्यात 2,62,697 करोड़ रुपए रहा है।

मेडिकल डिवाइस का घरेलू उत्पादन 48.2 प्रतिशत बढ़ा है यह 2019-20 में करीब 28,000 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 41,500 करोड़ रुपए हो गया।

भारतीय रेलवे ने 2014-24 के दौरान 54,809 कोच बनाए। रेलवे कोच का औसत सालाना उत्पादन 2004-14 के दौरान 3,300 से कम था, जो 2014-24 में बढ़कर 5,481 हो गया।

घरेलू उत्पादन में लोकोमोटिव और आधुनिक यात्री कोच भी शामिल हैं। 2025-26 में भारतीय रेलवे ने 1,674 लोकोमोटिव बनाए।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, स्थिर कीमतों पर मैन्युफैक्चरिंग ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) ने 2022-23 और 2025-26 के बीच 10.88 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की। यह मेक इन इंडिया के तहत देश की तेजी से बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दिखाता है।

एनएसई शेयरों में गिरावट, शुरुआती उत्साह के बाद निवेशकों ने की मुनाफा वसूली

विश्व केसरी■

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयरों में शुक्रवार को, लिस्टिंग के एक दिन बाद, गिरावट देखने को मिली। शेयर 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करता दिखा और अपने लिस्टिंग मूल्य से मामूली ऊपर बना रहा।

कारोबार के दौरान एनएसई के शेयर करीब 1.6 प्रतिशत फिसलकर 1,790 रुपए के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गया। बाद में खबर लिखे जाने तक यह 1,796 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर से 1.20 प्रतिशत कम था।

एनएसई के शेयर गुरुवार को अपने इश्यू प्राइस की तुलना में लगभग 0.8 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए थे। लिस्टिंग के दिन



शेयर ने कारोबार समाप्त होने तक करीब 1.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की थी। हालांकि शुरुआत अपेक्षाकृत शांत रही, लेकिन दिन के दौरान यह 5 प्रतिशत से अधिक उछला था, जिसके बाद मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिला। एनएसई का आईपीओ भारत के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम रहा। इससे पहले वर्ष 2024 में हुंडई मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपए का आईपीओ सबसे बड़ा इश्यू रहा था। लिस्टिंग के बाद एनएसई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) लगभग 4.49 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसके साथ ही कंपनी भारत की 10वीं सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई है और बाजार मूल्य के लिहाज से सन फार्मास्युटिकल्स और टाइटन जैसी कंपनियों से आगे निकल गई है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर एनएसई फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कंपनियों के बाद स्थान रखती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को 153.58 करोड़ रुपए का कस्टम ड्यूटी नोटिस

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को कस्टम अधिकारियों से 'कारण बताओ नोटिस' मिला है। यह नोटिस कुछ आयातित सामानों की मूल्यांकन योग्य मूल्य (मूल कीमत, इंश्योरेंस और भाड़ा) में रॉयल्टी पेमेंट को शामिल न करने के आरोप में 153.58 करोड़ रुपए की कस्टम ड्यूटी की वसूली के लिए भेजा गया है। यह जानकारी कंपनी की ओर से स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की जांच के बाद यह 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है। इस जांच में आरोप लगाया गया है कि कुछ आयातित सामानों की मूल्यांकन योग्य मूल्य में रॉयल्टी पेमेंट को शामिल नहीं किया गया था।



22 सितंबर की तारीख वाला यह नोटिस नवी मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट स्थित कस्टम्स कमिश्नर के ऑफिस से जारी किया गया था और कंपनी को यह 24 सितंबर को मिला। इसके अतिरिक्त, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी सैमसंग पर भी जांच चल रही है। यह जांच आयात किए गए ओएलईडी ग्लास स्क्रीन पर 5 प्रतिशत की रियायती कस्टम ड्यूटी के कथित गलत दावों को लेकर हो रही है। डीआरआई अधिकारियों का मानना है कि रियायती दर आम बाजार में बिकने वाले प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले पुराने एलसीडी और एलईडी के लिए है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओएलईडी पार्ट्स के मामले में डीआरआई का मानना है कि सैमसंग और एलजी दोनों को 15 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी देनी चाहिए थी। वहीं, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने ओएलईडी इंपोर्ट से जुड़े अधिकारियों के लिखित सवालों के जवाब भेज दिए हैं और अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक कस्टम ड्यूटी के अंतर की रकम स्वेच्छा से जमा कर दी है।



केला या अनार किस फल में होता है ज्यादा आयरन और विटामिन?

केला और अनार, दोनों ही स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल माने जाते हैं. इसलिए इन्हें रोजाना के खाने में शामिल करने की सलाह दी जाती है. हालांकि, जब आयरन और विटामिन की बात आती है, तो अक्सर यह सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसमें आयरन होता है? साथ ही, इनमें कौन-कौन से विटामिन पाए जाते हैं? आइए, इन दोनों फलों के पोषण संबंधी अंतर को जानें...

केले में कितना आयरन और कौन-से विटामिन होते हैं? केले को आयरन का मुख्य स्रोत नहीं माना जाता है. इनमें आयरन की मात्रा कम होती है. हालांकि, ये विटामिन ब्6 का अच्छा स्रोत हैं. इसके अलावा, इनमें विटामिन ष्ट, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी होते हैं. केले में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं, जबकि पोटैशियम एक ऐसा मिनरल है जो मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी है. इसलिए, वर्कआउट या शारीरिक गतिविधि के बाद केला खाना एक सुविधाजनक विकल्प हो सकता है.

अनार में कितना आयरन होता है?

अनार को अक्सर आयरन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है, लेकिन असल में इनमें आयरन की मात्रा बहुत ज़्यादा नहीं होती है. न्यूट्रिशनल डेटा के अनुसार, अनार में केले की तुलना में थोड़ा ज़्यादा आयरन हो सकता है, लेकिन दोनों के बीच का अंतर बहुत ज़्यादा नहीं है. अनार से विटामिन विटामिन च, फोलेट और फाइबर जैसे पोषक तत्व मिलते हैं. इनमें कई तरह के पौधों से मिलने वाले एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड भी होते हैं. इनके दानों को सीधे खाने या सलाद में मिलाने से डाइट में विविधता आ सकती है.



किसमें ज़्यादा आयरन होता है?

अगर सिर्फ आयरन की मात्रा की तुलना करें, तो अनार में केले से थोड़ा ज़्यादा आयरन होता है. हालांकि आयरन की कमी को दूर करने के लिए इनमें से किसी भी फल को मुख्य स्रोत नहीं माना जाना चाहिए. शरीर की आयरन की जरूरतों को पूरा करने के लिए दालें, छोले, राजमा, सोया, तिल, हरी पत्तेदार सब्ज़ियां, मीट और आयरन से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थ ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं.

विटामिन में कौन है बेहतर?

दोनों फलों में अलग-अलग तरह के पोषक तत्व होते हैं. केले खास तौर पर विटामिन और पोटैशियम के लिए जाने जाते हैं, जबकि अनार से कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं, जिनमें विटामिन ष्ट और च के साथ-साथ फोलेट भी शामिल है.

हर दिन कितना प्रोटीन लेना चाहिए? मसल्स गेन करने वालों के लिए आसान गाइड



मसल्स बनाना चाहते हैं तो सिर्फ जिम में घंटों वर्कआउट करना ही काफी नहीं है. शरीर को मसल्स बनाने और उन्हें मजबूत रखने के लिए सही मात्रा में प्रोटीन भी चाहिए. प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व है, जो मसल्स, त्वचा और शरीर के दूसरे टिश्यू को बनाने और उनकी मरम्मत में मदद करता है. जब हम प्रोटीन वाली चीजें खाते हैं, तो शरीर उन्हें अमीनो एसिड में तोड़ता है. यही अमीनो एसिड नई मसल्स बनाने में इस्तेमाल होते हैं.

खासकर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग या वेट ट्रेनिंग करने वाले लोगों के लिए रोज पर्याप्त प्रोटीन लेना जरूरी माना जाता है. हालांकि, हर व्यक्ति को एक जैसी मात्रा में प्रोटीन की जरूरत नहीं होती. यह शरीर के वजन, रोज की शारीरिक गतिविधि और टारगेट पर डिपेंड करती है. अगर आपका टारगेट मसल्स बढ़ाना है, तो प्रोटीन के साथ नियमित रेजिस्टेंस ट्रेनिंग करना भी जरूरी है. आइए जानते हैं कि मसल्स गेन के लिए रोज कितना प्रोटीन लेना चाहिए.

शरीर को अमीनो एसिड देता है, जिन्हें मसल्स के निर्माण के लिए जरूरी बिल्डिंग ब्लॉक्स माना जाता है. पर्याप्त प्रोटीन और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग साथ में करने से मसल्स की ग्रोथ को सपोर्ट मिलता है. आम वयस्कों के लिए प्रोटीन की न्यूनतम जरूरत करीब 0.8 ग्राम प्रति किलो बॉडी वेट प्रतिदिन मानी जाती है. लेकिन ये मात्रा मुख्य जरूरतों को पूरा करने के लिए है.

मसल्स गेन के लिए जरूरी नहीं कि इतनी मात्रा पर्याप्त हो. जो लोग नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं, वे आम तौर पर 1.2 से 2 ग्राम प्रति किलो वजन प्रोटीन ले सकते हैं. वहीं, रेजिस्टेंस ट्रेनिंग के जरिए मसल्स बढ़ाने वालों के लिए करीब 1.6 से 2.2 ग्राम प्रति किलो वजन प्रतिदिन का सेवन उपयोगी हो सकता है. उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति का वजन 60 किलो है और वह मसल्स गेन करना चाहता है, तो उसके लिए करीब 96 से 132 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन एक टारगेट हो सकता है.

आप फैट कम करने के साथ मसल्स बनाए रखना या बढ़ाना चाहते हैं, तो प्रोटीन की जरूरत और बढ़ सकती है. ऐसे मामलों में विशेषज्ञ करीब 2.3 से 3.1 ग्राम प्रति किलो वजन तक की मात्रा सुझाते हैं, लेकिन पर्सनल जरूरत के अनुसार डाइट तय करना बेहतर है.

में प्रोटीन के कई सोर्स शामिल किए जा सकते हैं. इसमें अंडे, चिकन, मछली, पनीर, कॉटेज चीज, ग्रीक योगर्ट और व्हे प्रोटीन अच्छे विकल्प हैं. शाकाहारी लोगों के लिए दाल, सोया, टोफू, टेम्पेह, एडामेमे, हेम्प सीड्स और मटर से बने प्रोटीन अच्छे स्रोत हो सकते हैं. प्रोटीन को दिनभर के भोजन में बांटकर लेना भी उपयोगी है. वर्कआउट के बाद करीब 20 ग्राम प्रोटीन वाला भोजन या स्नैक लेना मसल्स रिकवरी और ग्रोथ को सपोर्ट कर सकता है.

भाद्रपद पूर्णिमा कब है? बेहद खास है तारीख, स्नान-दान, लक्ष्मी पूजा, पूर्णिमा पितरों का श्राद्ध

भाद्रपद पूर्णिमा का दिन स्नान, दान और लक्ष्मी पूजा के लिए महत्वपूर्ण है, वहीं पितरों के श्राद्ध के लिए भी विशेष है क्योंकि भाद्रपद पूर्णिमा के अगले दिन से पितृ पक्ष शुरू होगा. लेकिन पूर्णिमा तिथि वाले पितरों का श्राद्ध भाद्रपद पूर्णिमा पर होगा क्योंकि पूर्णिमा ति?थि आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में प्राप्त नहीं होगी. ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि भाद्रपद पूर्णिमा आज 25 सितंबर को है या फिर कल 26 सितंबर को?

भाद्रपद पूर्णिमा की सही तारीख जानने के लिए पंचांग की मदद लेते हैं. वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 25 सितंबर शुक्रवार को रात में 11:06 बजे से भाद्रपद पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ हो रहा है. यह तिथि 26 सितंबर शनिवार को रात 10:18 बजे खत्म होगी.

25 सितंबर को चंद्रोदय शाम को 05:27 पी एम पर चतुर्दशी तिथि में हो रहा है. ऐसे में 25 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा का व्रत रखने का महत्व नहीं है. इस दिन भाद्रपद पूर्णिमा की उदयातिथि नहीं मिल रही है.

26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा की उदयातिथि प्राप्त हो रही है क्योंकि सूर्योदय 06:11 ए एम पर है, उस दिन चंद्रोदय शाम को 05:58 पी एम पर होगा. ऐसे में भाद्रपद पूर्णिमा 26 सितंबर शनिवार को है.

इस दिन ही भाद्रपद पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा और स्नान-दान भी इसी दिन किया जाएगा. सुबह में सत्य नारायण भगवान की पूजा होगी. प्रदोष काल में माता लक्ष्मी की पूजा होगी, वहीं रात में चंद्रोदय होने पर अर्घ्य दिया जाएगा. पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा करने से चंद्र दोष मिटता है. 26 सितंबर को ही पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा. जिनके पितरों ने पूर्णिमा तिथि पर देहत्याग किया है, उनके लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि शनिवार को होगा. आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से पितृ पक्ष लगेगा.

पूर्णिमा स्नान और दान मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त 04:36 ए एम से 05:24 ए एम

भाद्रपद पूर्णिमा पर सत्यनारायण पूजा मुहूर्त: सुबह में 07:42 बजे से 09:12 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त: 11:48 ए एम से दोपहर 12:36 पी एम तक

लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त: शाम 06:13 पी एम से

चंद्रोदय समय: शाम 05:58 पी एम पर

चंद्र अर्घ्य समय: शाम 7:30 बजे के बाद

भाद्रपद पूर्णिमा का राहुकाल 2026

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन राहुकाल सुबह में ही है. राहुकाल का समय सुबह 09:12 ए एम से लेकर 10:42 ए एम तक है.

भाद्रपद पूर्णिमा का श्राद्ध समय

जिन लोगों को अपने पितरों का श्राद्ध करना है, वे लोग दिन में 11:30 बजे से लेकर दोपहर 1:30 बजे तक पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, दान, श्राद्ध आदि कर लें.

भाद्रपद पूर्णिमा का महत्व

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पाप मिटते हैं, पुण्य की प्राप्ति होती है.

सितंबर से नवंबर के बीच घूमने के लिए बेस्ट हैं ये 5 जगहें



भारत में सितंबर से नवंबर के बीच मौसम धीरे-धीरे बदलता है. बारिश के बाद की हरियाली कई जगहों की खूबसूरती बढ़ा देती है, और अक्टूबर-नवंबर में अलग-अलग इलाकों में मौसम सुहावना हो जाता है. यही वजह है कि घूमने-फिरने के लिए यह समय बहुत पसंद किया जाता है. अगर आप शरद ऋतु में भारत की अलग-अलग तरह की खूबसूरती का अनुभव करना चाहते हैं, तो आप इन 5 जगहों पर घूमने का प्लान बना सकते हैं...

1. कश्मीर

कश्मीर की घाटियां हर मौसम में खूबसूरत लगती हैं, लेकिन कई यात्री सितंबर और अक्टूबर के दौरान वहां के मौसम का खास तौर पर आनंद लेते हैं. आप अपनी यात्रा में श्रीनगर की डल झील, पहलगाम और गुलमर्ग को शामिल कर सकते हैं. पतझड़ में, पेड़ों के बदलते रंग घाटी के नज़ारे को और भी शानदार बना देते हैं. नवंबर तक ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान गिर सकता है, इसलिए मौसम के हिसाब से सही कपड़े साथ रखें.

2. शिलांग और मेघालय

मानसून की बारिश के बाद मेघालय की हरियाली और झरने मनमोहक होते हैं. शिलांग के अलावा, आप चेरापूंजी, मावलिननॉन्ग और आसपास के इलाकों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं. चूंकि सितंबर में बारिश की संभावना रहती है, इसलिए यात्रा करने से पहले स्थानीय मौसम और सड़कों की स्थिति जरूर देख लें.

3. सिक्किम

सिक्किम में शानदार पहाड़, झीलें और खूबसूरत घाटियां हैं. सितंबर के बाद मौसम बदलने लगता है, और अक्टूबर-नवंबर में कई इलाकों में आसमान साफ रहने की अच्छी संभावना होती है. आप अपनी यात्रा में गंगटोक के साथ-साथ पेलिंग या अन्य लोकप्रिय

4. राजस्थान

अगर आपको पहाड़ों के बजाय इतिहास और संस्कृति पसंद है, तो आप राजस्थान जा सकते हैं. जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और जैसलमेर जैसे शहरों में किले, महल, चहल-पहल वाले बाज़ार और स्थानीय खाने-पीने की चीज़ें जैसी कई आकर्षक चीज़ें हैं। हालाँकि सितंबर में कुछ जगहों पर गर्मी हो सकती है, लेकिन अक्टूबर और नवंबर में यात्रा के लिए मौसम आम तौर पर काफी सुहावना हो जाता है.

5. केरल

मानसून के बाद केरल की हरियाली और बैकवाटर्स का अनुभव करना एक अनोखा आनंद है. आप अपनी यात्रा में एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार और कोच्चि जैसी जगहों को शामिल कर सकते हैं. हालांकि, चूंकि कुछ इलाकों में सितंबर में बारिश हो सकती है, इसलिए यात्रा की तारीखें तय करने से पहले मौसम का पूर्वानुमान देख लेना बेहतर है.



पुलाव और तहरी में क्या है फर्क? जानिए स्वाद, मसालों और बनाने के तरीके का अंतर



पुलाव और तहरी में क्या है फर्क? जानिए स्वाद, मसालों और बनाने के तरीके का अंतर

चावल से बनने वाले व्यंजनों में पुलाव और तहरी का नाम सबसे पहले लिया जाता है. पहली नजर में ये दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं, इसलिए कई लोग इन्हें एक ही डिश समझ लेते हैं. हालांकि स्वाद, बनाने की विधि, मसालों और उत्पत्ति के आधार पर पुलाव और तहरी में काफी अंतर होता है. यदि आप भी इन दोनों के बीच का फर्क जानना चाहते हैं, तो आइए विस्तार से समझते हैं.

पुलाव एक हल्का और सुगंधित चावल का व्यंजन है, जिसकी जड़ें मध्य एशिया और मुगलई खानपान से जुड़ी मानी जाती हैं. इसे बनाने में बासमती चावल, साबुत मसाले, घी और सब्जियों या मांस का इस्तेमाल किया जाता है. पुलाव की खासियत यह है कि इसमें मसालों का प्रयोग सीमित मात्रा में किया जाता है, जिससे चावल का प्राकृतिक स्वाद और खुशबू बनी रहती है.

पुलाव में चावल के दाने अलग-अलग और खिले हुए दिखाई देते हैं. इसे अक्सर रायता, सलाद या किसी ग्रेवी वाली सब्जी के साथ परोसा जाता है.

जौहर : आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वीरांगनाओं का गौरवशाली अग्नि स्नान



उर्मिला देवी 'उर्मि'

जौहर -आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अग्नि में सामूहिक आत्मोत्सर्ग का गौरवशाली पवित्र कृत्य है। आत्म बलिदान की इस पराकाष्ठा को कायरता कहना पाप है। जो लोग नासमझी के कारण जौहर को? नारियों की कायरता कहते हैं, वे धधकती अग्नि में अपनी एक उंगली 5 मिनट के लिए रखकर देखें।

भारतीय वीरांगनाओं के अदम्य आत्मसम्मान , अटूट साहस और? अग्नि में सर्वोच्च आत्म बलिदान का महिमाशाली कृत्य है जौहर ,जो हर सच्चे हिंदुस्तानी को आत्म सम्मान के साथ गरिमा पूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

जौहर यह इतिहास का केवल एक शब्द नहीं , भारतीय वीरांगनाओं द्वारा अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए पूर्ण आत्म बल के साथ किया जाने वाला सामूहिक अग्नि स्नान का गौरवशाली कृत्य है जिसमें युद्ध काल में वीरांगनाएं अपने सतीत्व की रक्षा का अन्य कोई उपाय न दिखने पर अपनी पवित्र देह को अग्नि में भस्म कर लेती थीं।

जब निकृष्ट नृशंस मुगल आक्रमणकारियों द्वारा दुर्गों- किलों को अचानक चारों तरफ से घेर लेने के कारण राजाओं को अपनी पराजय निकट दिखाई देने लगती थी और स्त्रियों की अस्मिता पर संकट मंडराने लगता था , तब हमारी पूज्या वीरांगनाएं संसार के सामने यह उद्घोष करते हुए अपनी पवित्र देह को सामूहिक रूप से अग्नि में भस्म कर देती थी कि *भारतीय नारी का सम्मान किसी भी साम्राज्य की विजय से बड़ा है* ।?

जौहर के पश्चात राज्य के पुरुष अपनी माताओं , बहन -बेटियों की



ओर से निश्चिंत होकर युद्ध करते थे। जौहर के बाद बची हुई राख को वे अपने पूरे शरीर ?पर लपेट कर परिवार की चिंता से मुक्त होकर देश हित में अपनी जान की बाजी लगाने के? लिए युद्ध भूमि में कूद पड़ते?? थे ,। इतिहास में ऐसी घटनाओं का? उल्लेख 'साका-जौहर' के नाम से किया ?गया है।

आत्मबल एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण तथा युद्ध कला में भली भांति प्रशिक्षित वीरांगनाओं को भी युद्ध भूमि में इसलिए नहीं जाने दिया जाता था कि निकृष्ट आक्रमणकारी सैनिक वीरांगनाओं के शवों (मृत शरीरों) के साथ भी अनैतिक आचरण (बलात्कार) करते थे किन्तु भारतीय वीरांगनाओं को यह कदापि स्वीकार्य नहीं था? की कोई नीच ?विधर्मी उनके मृत शरीर को भी स्पर्श करे , फिर जीवित शरीर? का तो कहना ?ही क्या..। हमारी पूर्वजा वीरांगनाएं चाकू ?छुरी से या विषपान से भी अपनी जीवन- लीला समाप्त कर? सकती? थीं किन्तु उन्हें कतई? मंजूर नहीं था कि दुर्दांत हत्यारे उनके मरे हुए शरीर को? भी? अपने पापकर्मी? हाथों से स्पर्श करें।

उन्होंने मृत्यु को चुना, पर अपमान स्वीकार नहीं किया।उन्होंने अग्नि को स्वीकार किया, पर पराधीनता की बेड़ियाँ स्वीकार नहीं कीं। उनके लिए *जीवन का मूल्य केवल जीवन नहीं था—गरिमा के साथ जीवन* था। जौहर की ज्वाला में केवल शरीर नहीं जले—उसमें भय जला, दासता जली और अपमान के सामने झुकने की मानसिकता जली।

यह हमारी वीरांगनाओं की उस अदम्य चेतना का प्रतीक है, जिसने आने वाली पीढ़ियों को सिखाया- 'सम्मान से बड़ा कुछ नहीं, स्वाभिमान से ऊँचा कुछ नहीं!'

जो लोग जौहर को रेप सरवाइव से जोड़कर देखते हैं उन्हें पहले यह अच्छी तरह समझना चाहिए कि बलात्कार पीड़ित महिला भी सम्मान की अधिकारी है। उसके जीवन और सम्मान पर केवल उसका अधिकार है। उस कालखंड की वीरांगनाएं तो अपने मृत शरीर के बलात्कार की संभावनाओं को मिटाने के लिए ही स्वयं को अग्नि में भस्म कर लिया करती थीं। बलात्कार पीड़िता की पीड़ा को जौहर से जोड़ना?? न तो ऐतिहासिक रूप से उचित है और न ही मानवीय रूप से।

नादानों की टिप्पणियों से आघात उन्हें पहुंचता है जो लोग जौहर की गंभीरता को ,उसकी गरिमा को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए शीघ्र ही ऐसा कुछ किया जाना आवश्यक हो गया है जिससे भारत की महान परंपराओं के विरुद्ध कोई विषवमन करने के बारे में, अपशब्द बोलने के बारे में सोच भी नहीं सके। और उतना ही आवश्यक यह भी है? कि? जौहर एवं इसके जैसी गौरवशाली? भारतीय परंपराओं का विवरण पाठशालाओं में पाठ्यक्रम का हिस्सा बने । आतताई? मुगल आक्रमणकारियों के नाम भी पाठ्य पुस्तकों से बाहर कर दिए जाएं तथा उनके स्थान पर भारत के प्रतापी वीर- वीरांगनाओं के चरित्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर अनिवार्य रूप से पढ़ाए जाएं।

जौहर को सती प्रथा का समानार्थी भी नहीं समझना चाहिए । सती होना एक व्यक्तिगत निर्णय हुआ करता था , जिसकी परिस्थितियां भी भिन्न हुआ करती थीं। आज उसकी चर्चा की आवश्यकता नहीं है।

भारतीय इतिहास में ? जौहर की दीर्घ परंपरा की जानकारी प्राप्त होती है । ऐसे बहुत जौहर हुए जिनका इतिहास में केवल नामोल्लेख मिलता है ,किंतु जिन बड़े जौहर घटनाक्रमों का विवरण प्राप्त होता है, उनमें से कुछ इस प्रकार है--(1) चित्तौड़ का प्रथम जौहर-सन्1303 ! अलाउद्दीन खिलजी की सेना के आक्रमण के सामने चित्तौड़ ने प्रतिरोध किया राजस्थान की ऐतिहासिक परंपरा इसे प्रथम साका और रानी पद्मिनी के जौहर के नाम से स्मरण ?करती है , जिसमें रानी पद्मिनी ने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए लगभग 10000 वीरांगनाओं के साथ अग्नि की ज्वाला में प्रवेश कर अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

(2) रणथंभोर का जौहर -सन् 1301 ! चित्तौड़ के? जौहर से पहले हम्मीर देव चौहान ने समर्पण के स्थान पर संघर्ष का मार्ग चुना। दुर्ग के पतन की घड़ी में वहां जौहर की परंपरा का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। हम्मीर देव के मंत्री ने जौहर की व्यवस्था की। बलिदान करने वाली वीरांगनाओं की निश्चित संख्या की जानकारी नहीं है।? रणथंभौर जौहर का वर्णन अलाउद्दीन के दरबारी कवि अमीर खुसरो ने किया ,जो इसे फारसी भाषा के पाठ में वर्णित पहला जौहर कहता है।

(3) जैसलमेर का प्रथम जौहर-सन् 1294 -95 में

जैसलमेर दुर्ग की घेराबंदी को भी इसी प्रचलित सूची में जोड़ा जाता है , जिसमें ?बलिदान देने वाली राजपूत भाटी वीरांगनाओं की अनुमानित संख्या 24000 बताई जाती है।

(4) जालौर का जौहर -सन् 1311 ! इसमें 1584 जौहर-अग्नियों का उल्लेख मिलता है जिनमें इतिहास प्रसिद्ध रानी जैतल दे के साथ वीरांगनाओं ने ?अग्नि स्नान किया।

मनोरंजन

डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुई अदा खान

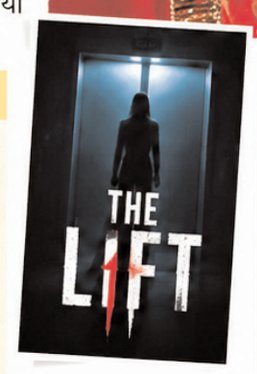
बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई



मुंबई। अभिनेत्री अदा खान साइकोलॉजिकल थ्रिलर वैब सीरीज 'द लिफ्ट' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि शूट के दौरान सभी एक्टर्स के बीच में बॉन्ड काफी अच्छा बन गया था।

हर दिन था नया अनुभव

अदा खान ने आईएएनएस से कहा, "हर दिन हमारा एक नया अनुभव होता था। एक ताजगी का एहसास था और मैं खुद भी कुछ नया महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया।"



किरदारों में कई परतें

अदा खान ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थी। उनके कहा, "मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इंम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई।"

> "मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहूत ज्यादा इंम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दोरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई।"
>
> — अदा खान

प्रतीक सहजपाल ने की मदद

फिर अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने माना कि वह खुद इंट्रोबर्ट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ धुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, "प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ड-आउट इंसान हैं। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता हैं कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा।"

छोटी जगह में बड़ी बॉन्डिंग

अदा खान ने बताया कि लिफ्ट जैसी छोटी जगह में सुबह से लेकर पैकअप तक लंबे समय तक साथ रहने से एक्टर्स को बावतीत्त करने, रिलैक्स करने और बॉन्डिंग करने का खुब मौका मिला, भले ही उनके सीन खत्म हो चुके हों। उन्होंने कहा कि इससे कास्ट के बीच "एक बिल्लुल अलग तरह की बॉन्डिंग बनी।"

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' पर पब्लिक रिव्यू, दर्शक बोले- नई पीढ़ी को जरूर देखनी चाहिए फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। मुंबई में रिलीज के मौके पर 'महाकाव्य श्री रामायण कथा- श्री राम की' को देखने पहुंचे दर्शकों ने फिल्म को लेकर अपनी-अपनी राय शेयर की। इस फिल्म को लेकर रिलीज से पहले भी काफी चर्चा थी। खासकर अंजलि अरोड़ा के माता सीता के किरदार को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की बातें सामने आई थीं। अब फिल्म देखने के बाद पब्लिक रिएक्शन सामने आए हैं।

पब्लिक में कुछ दर्शक इसकी कहानी, कलाकारों की परफॉर्मेंस, ग्राफिक्स और साउंड की तारीफ करते नजर आए। कई दर्शकों ने इसे परिवार और खास तौर पर नई पीढ़ी के लिए देखने लायक फिल्म बताया।

मीडिया से बात करते हुए एक दर्शक ने डायरेक्टर अभिषेक सिंह और पूरी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''निर्देशक ने फिल्म बनाने में काफी मेहनत की है और ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जो धर्म और हमारी परंपराओं से जुड़ी कहानियों को बड़े पर्दे तक लेकर आएं। फिल्म देखकर मुझे काफी खुशी हुई और मुझे यह अच्छी लगी। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं। मेरी तरफ से फिल्म को पूरे 5 स्टार है।''

दूसरे दर्शक ने भी फिल्म निर्देशक के काम की तारीफ की और कहा, ''निर्देशक ने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है और इसे देखकर मुझे काफी आनंद आया। फिल्म ग्राफिक्स और साउंड का काम अच्छा रहा और दोनों चीजों ने कहानी को पर्दे पर दिखाने में मदद की। मेरे नजरिए से फिल्म सुपरहिट है।''

एक अन्य दर्शक ने फिल्म को अपनी भावनाओं से जुड़ी हुई कहानी बताया। उन्होंने कहा, ''हर किसी को कम से कम एक बार यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को अच्छी तरह निभाया है। फिल्म की एक खास बात यह है कि इसमें युवा भी जुड़े हुए हैं। मेरा मानना है कि रामायण जैसे विषय को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए युवाओं की भागीदारी अहम है।''

एक और दर्शक ने नई पीढ़ी के लिए ऐसी फिल्मों को जरूरी बताया। उन्होंने कहा, ''आज के समय में युवाओं के लिए ऐसी कहानियां सामने आनी चाहिए, जिनसे उन्हें धर्म और परंपराओं के बारे में जानकारी मिल सके। फिल्म की कहानी शुरुआत से आखिर तक जुड़ी हुई लगती है और निर्देशक ने पूरी कहानी को पकड़कर रखा है।''



आसिफ की सोच पर भड़कीं गौहर खान, बोलीं- आदमी की पहचान मूंछ से नहीं, सोच से होती है

विश्व केसरी ■

मुंबई। लोकप्रिय रिलिटी शो 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में ने घर के अंदर तीखी बहस छेड़ दी है और सोशल मीडिया पर भारी विवाद छोड़ दिया। शुक्रवार को अभिनेत्री गौहर खान ने हालिया एपिसोड को देखने के बाद कंटेस्टेंट आसिफ खान और यंग डीएस को घेरा। साथ ही, कंटेस्टेंट काजी तौकीर को दूसरी गैंग की तरफ से घेरे जाने पर प्रतिक्रिया दी।



अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर कटाक्ष करते हुए लिखा, 'दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।'

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, 'जब वो लड़की उदिति को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।'

अभिनेत्री गौहर खान ने आसिफ की सोच और हालिया 'मूंछ और दाढ़ी' वाले बयान पर दुख जाहिर करते हुए लिखा, 'इतना अच्छा एक्टर है लेकिन हर बात में ऐसी सोच देखकर दुख होता है। आदमी की पहचान उसकी मूंछ नहीं होती। इस्लाम में एक मुस्लिम आदमी के लिए सुन्नत है कि मूंछ नहीं रखी जाती, क्या वो ये भूल गया? मर्द की पहचान उसकी ऊंची सोच और उसके बर्ताव से होती है। काश उसे ये पता होता।'

'डोरोथी' की रिलीज पर भावुक हुए डायरेक्टर बोले, दर्शकों के भरोसे पर बनाई है यह फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता कार्तिक सुब्बाराज ने तमिल भाषा की फिल्म 'डोरोथी' शुक्रवार को रिलीज हो गई। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें फिल्ममेकर और आर्टिस्ट के तौर पर बदल दिया है।

निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनकी अब तक की सबसे इमोशनल कहानी है। उन्होंने लिखा, 'आज डोरोथी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 10वीं फिल्म होने के बावजूद भी मैं फिल्म को लेकर उतना ही उत्साहित और नर्वस हूं, जितना पहली फिल्म 'पिज्जा' को लेकर था। इस फिल्म को बनाते हुए जो दिन मैंने बिताए हैं, उन्होंने मुझे एक इंसान, फिल्ममेकर और एक आर्टिस्ट के तौर पर बदल दिया है।' निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की कहानी 90 के दशक की कई सच्ची घटनाओं पर आधारित है। उन्होंने लिखा, 'मेरी यह फिल्म अब तक की सबसे सच्चाई के करीब और इमोशनल कहानियों में से एक है।

यह कहानी 90 के दशक की कई सच्ची घटनाओं पर आधारित है और जब मैंने इस कहानी को बड़े पर्दे पर बताने की जरूरत महसूस की, तो कई लोगों ने मुझसे अक्सर एक ही सवाल पूछा था किस भरोसे पर आप ये फिल्म बनाना चाहते हैं? मेरा जवाब 'था' और 'है' - 'मेरा भरोसा दर्शकों पर' और हां वो दिन आ गया है जब हम, 'डोरोथी' की पूरी टीम, बेसब्री से दर्शकों का रिएक्शन देखने के लिए तैयार हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक बच्चा अपनी पहली पेंटिंग अपने माता-पिता को दिखाता है और हां 'डोरोथी' अब बारी आपकी है।'

दृश्यम की स्टारकास्ट के साथ धमाकेदार होगी कपिल शर्मा शो की वापसी, इस दिन आएगा पहला शो

विश्व केसरी ■

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पांचवे सीजन के साथ वापसी करने जा रहे हैं। शो की शुरुआत क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की स्टारकास्ट के साथ होगी।

पांचवे सीजन के प्रीमियर में अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत के साथ डायरेक्टर अभिषेक पाठक, कपिल शर्मा के साथ हंसी-मजाक और खुलकर बातचीत करते नजर आएंगे।

यह एपिसोड 'दृश्यम' हिंदी फ्रेंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म की रिलीज से पहले कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में अजय देवगन की वापसी का भी मौका होगा। इसमें जयदीप अहलावत, कृष्णा अभिषेक और किकू शारदा की जोड़ी के साथ ठुमके लगाते नजर आएंगे, वहीं सुनील ग्रोवर अजय देवगन की मिमिक्री करके हंसी का तड़का लगाएंगे।



छह महीने के ब्रेक के बाद 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का सीजन 5 वापस आ रहा है। इस बार भी कपिल शर्मा के साथ सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, किकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू की कॉमेडी टोली नजर आएगी। नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होंगे।

क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की बात करें तो इसमें एक बार फिर अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौट रहे हैं। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

'दृश्यम 3: द कंक्लूजन' दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर (हिंदी) के परिवार और पुलिस के बीच के सस्पेंस और माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। यह फिल्म पिछले अनसुलझे रहस्यों, परिवार की सुरक्षा और पुलिस की अंतिम कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

पिछली फिल्मों के विपरीत यह फिल्म किसी मलयालम वर्जन की रीमेक नहीं है, बल्कि इसकी एक मौलिक (ओरिजिनल) कहानी है जो सीरीज का अंत करेगी। इस बार विजय सालगांवकर के सामने पुलिस और कानून की तरफ से पहले से कहीं अधिक खतरनाक और नए चेहरे (जैसे जयदीप अहलावत का किरदार) खड़े हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को थिएटर में रिलीज होगी।

'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट का ग्लैमरस अवतार, सामने आया पहला पोस्टर



विश्व केसरी ■

मुंबई। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है, लेकिन इस बार दोनों का अंदाज काफी अलग दिखाई देने वाला है। संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। हाल ही में फिल्म से रणबीर कपूर का पहला लुक सामने आया था और अब मेकर्स ने आलिया भट्ट के किरदार की पहली झलक भी शेयर कर दी है। पोस्टर में आलिया बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं और उनका लुक पुराने दौर के कैबरे डांस की यादलाता है।

भंसाली प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर आलिया भट्ट का पोस्टर जारी किया। इस पोस्टर में आलिया को वाइन रेड कलर की आउटफिट में दिखाया गया है। उन्होंने क्रॉप्ड ब्लाउज और फ्लोइंग स्कर्ट पहनी हुई है। उनके आउटफिट में फेदर्स भी लगे हुए हैं, जो उनके पूरे लुक कैबरे डांसर वाला अंदाज दे रहे हैं। आलिया पोस्टर में बैठी हुई नजर आ रही हैं और उनके पीछे रेड कलर के बड़े पर्दे दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही पीछे जगमगाती लाइट्स भी हैं, जिससे पूरा सेटअप डांस शो जैसा लग रहा है।

पोस्टर में आलिया का अंदाज 70 के दशक की मशहूर कैबरे डांसर हेलन की याद दिलाता है। उस दौर में हेलन अपने खास डांस नंबर और अलग अंदाज के लिए काफी मशहूर थीं।

आलिया के पोस्टर के साथ भंसाली प्रोडक्शंस ने कैप्शन में लिखा, ''आग भी, दिलों की जान भी। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी।''

वहीं आलिया ने भी इस पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, 'रीयूनाइटेड'।

आलिया का फर्स्ट लुक रणबीर कपूर के पोस्टर के सामने आने के एक दिन बाद जारी किया गया है। संजय लीला भंसाली ने फिल्म से रणबीर कपूर के दो पोस्टर्स जारी किए थे, जिसमें वह एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्हें कार चलाते हुए दिखाया गया। इस दौरान उनका हाथ खून से लथपथ है और टीशर्ट पर गोली के निशान है। मेकर्स ने रणबीर के पोस्टर के साथ लिखा, 'वो रुतबा, रुवाब और वो जुनून'।

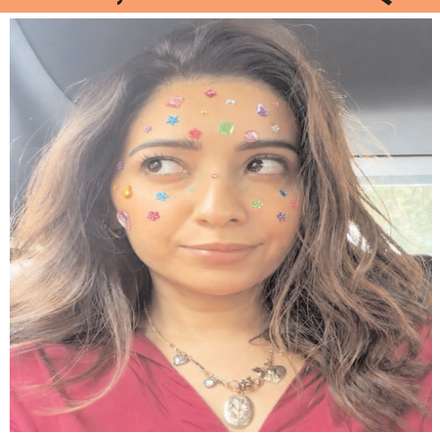
ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, बोलीं- अब प्रोजेक्ट्स के बीच जी पाती हूं अपनी जिंदगी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री आशा नेगी वेब सीरीज 'अली बाबा और 40 भूत' में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस समय वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का लुत्फ उठा रही हैं।

आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पर्दे पर लौटने का मौका देता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं एक एक्टर हूं और बस एक्टिंग करना चाहती हूं। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूं, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूं और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूं क्योंकि यह एक-



दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप फ्री हो जाते हो।' अभिनेत्री ने बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद आप अपनी जिंदगी को भी अच्छे से जी पाते हैं। उन्होंने कहा, 'फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।' आशा नेगी ने बताया कि उन्हें नए-नए किरदारों को एक्सप्लोर करने की ये प्रोसेस पसंद आ रही है।

इस सीरीज में आशा नेगी ने 'अलीशा निगम' नाम की एक घोस्ट हंटर का किरदार निभाया है, जो अपने लापता पुरातत्वविद् पिता को ढूंढने अपने होमटाउन जाती है। इसमें उनके साथ विशाल वशिष्ठ (बाबाराव उपाध्याय के रूप में) और रमनदीप यादव (किन्नू के रूप में) मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज हल्के-फुल्के अंदाज की हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें कुल 40 एपिसोड और अलग-अलग भूतों की कहानियां दिखाई गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में डॉ. जयशंकर ने कई देशों के समकक्षों से की मुलाकात, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■



संयुक्त राष्ट्र। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के हाई-लेवल सेशन के दौरान एस्टोनिया, घाना, मालदीव, बारबाडोस और अन्य देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों और कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ''यूएनजीए के 81वें सत्र के दौरान एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना से मिलकर खुशी हुई। हमने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और उसके असर पर बातचीत की। साथ ही बहुपक्षीय सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई।''

सत्र के दौरान जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। उन?होंने एक अन?य पोस?ट में लि?खा, ''संयुक्त राष्ट्र में घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेटो अबलाकवा से मिलकर खुशी हुई। हमने दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा मौजूदा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत हुई। उम्मीद है कि जल्द ही फिर मुलाकात होगी।''

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने मालदीव की विदेश मंत्री इरुथिशम आदम से मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा, ''यूएनजीए के दौरान मालदीव के विदेश मंत्री से मिलकर खुशी हुई। हमने दोनों देशों के आपसी रिश्तों की समीक्षा की और बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग को लेकर भी चर्चा की।''

एक अन्य पोस्ट में जयशंर ने बारबाडोस के विदेश मंत्री क्रिस्टोफर पीटर सिंकलर के साथ मुलाकात की फोटो पोस?ट कर संक्षिप्त बातचीत की जानकारी साझा की। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में जयशंकर ने इराक के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री फुअद हुसैन से भी मुलाकात की।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इराक के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री फुअद हुसैन से मिलकर बेहद खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही, हमारे आर्थिक और ऊर्जा संबंधों पर भी चर्चा की।''

ग्रीन कार्ड सिस्टम को बदल सकता है यूएस का नया बिल, भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा बड़ा असर

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिका के एक रिपब्लिकन सीनेटर ने ऐसा बिल पेश किया है, जो नौकरी के आधार पर मिलने वाले ग्रीन कार्ड की मौजूदा व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर सकता है। अगर यह बिल कानून बनता है, तो अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का लंबे समय से इंतजार कर रहे भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

अलबामा के सीनेटर टॉमी टबरविले ने 'अमेरिकन्स फर्स्ट इमिग्रेशन एक्ट' नामक बिल पेश किया है। इसमें नौकरी के आधार पर ग्रीन कार्ड देने की मौजूदा कैटेगरी को हटाकर पॉइंट्स पर आधारित सिस्टम लाने का प्रस्ताव है। बिल के पूरे टेक्स्ट के मुताबिक, नई व्यवस्था लागू होने पर रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए पहले से लंबित कई याचिकाएं भी अमान्य हो सकती हैं।

इन याचिकाओं के आधार पर ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिका के अंदर से स्टेटस बदलने या विदेश से इमिग्रेंट वीजा लेने के आवेदन 'खारिज, नामंजूर या अमान्य' किए जा सकेंगे।

जिन लोगों की याचिकाएं नई व्यवस्था लागू होने की तारीख से पहले ही मंजूर हो चुकी होंगी, उन्हें मौजूदा कैटेगरी के तहत तब तक वीजा मिल सकेगा, जब तक उस वित्त वर्ष के लिए तय सालाना वीजा कोटा खत्म नहीं हो जाता। इसके बाद उस कैटेगरी के तहत कोई और वीजा जारी नहीं किया जाएगा।

इस प्रावधान का खास तौर पर भारतीय आवेदकों पर बड़ा असर पड़ सकता है क्योंकि बहुत से भारतीयों की रोजगार आधारित याचिकाएं मंजूर हो चुकी हैं लेकिन वे लंबे ग्रीन कार्ड बैकलॉग की वजह से अब भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

तूफान 'डुजुआन' ने जापान में मचाई तबाही, मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई

विश्व केसरी■



टोक्यो। पूर्वी जापान के कांटो इलाके में एक बड़े तूफान की वजह से हुई भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मारे गए लोगों में से सात की मौत चिबा प्रान्त में हुई, जो टोक्यो के पूर्व में है। वहीं, राजधानी के दक्षिण-पश्चिम में स्थित कानागावा प्रान्त में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। सरकारी प्रसारक एनएचके के मुताबिक, हाल में जिस पीड़ित का शव मिला, वह 70 साल से ज्यादा उम्र की एक महिला थीं। कानागावा के योकोसुका में भूस्खलन के बाद उन्हें लापता बताया गया था। समाचार एजेंसी सि?न्हुआ के मुताबिक, पुलिस और दमकलकर्मी अब भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। तूफान 'डुजुआन' सोमवार को जापान के पूर्वी प्रशांत तट के करीब पहुंचा था। इसकी वजह से कांतो इलाके और इजू द्वीप समूह में रिकॉर्ड बारिश हुई। भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन और नदियों में बाढ़ आ गई। टोक्यो के आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हुआ, जिसमें खासतौर पर चिबा प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। एनएचके के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक चिबा और कानागावा में करीब 1,000 इमारतें या तो पूरी तरह नष्ट हो गईं, क्षतिग्रस्त हुईं या उनमें पानी भर गया।

गुजरातः भारतमाला एक्सप्रेसवे पर खड़े डंपर से एसयूवी की टक्कर, चार की मौत

विश्व केसरी■



सूरत। शुक्रवार को गुजरात के सूरत जिले के कामरेज के पास भारतमाला एक्सप्रेसवे पर एक एसयूवी की टक्कर में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना कामरेज इलाके में तापी ओवरब्रिज के पास हुई, जब महाराष्ट्र से गुजरात की ओर आ रही एसयूवी एक्सप्रेसवे पर रुके हुए डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कार में सवार चारों लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डंपर में हवा का दबाव बिगड़ गया था, जिसके बाद चालक ने वाहन को सड़क पर रोक दिया था। पीछे से आ रही एसयूवी ने फिर खड़े हुए डंपर से टक्कर मार दी। टक्कर से कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे, और बताया जा रहा है कि वे मुंबई से पाटन जिले के शंखेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। मृतकों की पहचान राजीव जैन, जयंती दोषी, प्रवीण जैन और संजय खेमचंद के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही कामरेज पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, जबकि यातायात सुचारू रूप से चलाने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया गया। पुलिस टक्कर के कारणों की जांच कर रही है, जिसमें तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद डंपर को एक्सप्रेसवे पर किस तरह खड़ा किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र महासभाः नेपाल ने भारत-चीन के साथ 'हिमालयन क्लाइमेट रेजिलिएंस मैकेनिज्म' बनाने का रखा प्रस्ताव

विश्व केसरी■



काठमांडू। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु से जुड़े खतरों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के मकसद से नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में 'हिमालयन क्लाइमेट रेजिलिएंस मैकेनिज्म' बनाने का प्रस्ताव रखा है।

शाह का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में कई बस्तियों को बहा दिया था। बाढ़ की भयावहता को देखते हुए कई लोगों ने इसे 'माउंटेन सुनामी' या 'हिमालयन सुनामी' तक बताया।

नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, गुरुवार शाम तक इस बाढ़ में 1,453 लोगों की मौत हो चुकी थी जबकि 5,550 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 636 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। विशेषज्ञों ने इस आपदा को जलवायु परिवर्तन से जुड़ा बताया है।

शाह ने कहा कि नेपाल, भारत और चीन की यह साझा व्यवस्था सैटेलाइट डेटा और तकनीकी जानकारी साझा करने, खतरनाक ग्लेशियल झीलों पर नजर रखने और क्षेत्रीय स्तर पर समय रहते चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करने पर काम करेगी। उन्होंने कहा, 'आइए, खतरनाक ग्लेशियर झीलों पर नजर रखें। मिलकर चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करें। और जब कोई आपदा आए, तो सीमाओं के पार भी आपसी तालमेल से मदद पहुंचाएं। 'शाह ने कहा कि हिमालय को ऐसी जगह बनना चाहिए, जहां देश एक-दूसरे से अलग-अलग जानकारी रखने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए मिलकर काम करें।

उन्होंने कहा कि हिमालय को बंटी हुई जानकारी की सीमा बनाने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बनने दें। नेपाल की ओर से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उठाए जा रहे।

होर्मुज स्ट्रेट खोलने और बातचीत शुरू करने के लिए ईरान ने अमेरिका को दिया प्रस्तावः रिपोर्ट

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान ने ट्रंप प्रशासन को एक प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने और बड़े स्तर पर चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए सात दिनों के भीतर बातचीत फिर शुरू करने की बात कही गई है।

द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, अराघची ने कहा कि यह प्रस्ताव इस हफ्ते मध्यस्थों के जरिए हुई अप्रत्यक्ष बातचीत के दौरान अमेरिकी अधिकारियों तक पहुंचाया गया। इस पर प्रतिक्रिया के लिए व्हाइट हाउस से संपर्क किया, लेकिन उनकी ओर से तुरंत कोई जवाब नहीं आया।

यह प्रस्ताव महीनों से जारी संघर्ष के बाद कूटनीतिक बातचीत की एक नई शुरुआत बन सकता है। इस संघर्ष की वजह से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री रास्तों में से एक, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। आमतौर पर दुनिया की कुल तेल सप्लाई का करीब 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। अराघची ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में इस प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरान की शर्तें काफी हद तक उस समझौता ज्ञापन (एमओयू) जैसी हैं, जिस पर दोनों देश जून में सहमत हुए थे।

अराघची ने कहा कि हमने जो शर्तें रखी हैं, उनमें कुछ भी नया नहीं है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह प्रस्ताव युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप प्रशासन की शर्तों को पूरा करता है या नहीं। तेहरान ने जून में बनी सहमति का मतलब यह निकाला था।

नशे के हॉट स्पॉट पर कसेगा शिकंजा, स्कूल-कॉलेज के 500 मीटर दायरे में लागू होगा 'ड्रग फ्री जोन'

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए हॉट स्पॉट की नियमित निगरानी और सघन कार्रवाई की जाएगी। स्कूल-कॉलेजों के आसपास 500 मीटर के दायरे को सख्त 'ड्रग फ्री जोन' के रूप में घोषित कर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शुक्रवार को नारकोटिक्स कंट्रोल एवं समन्वय तंत्र (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय समिति की तृतीय बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध व्यापार पर नियंत्रण, नशा मुक्ति एवं जागरूकता अभियान, जब्त मादक पदार्थों के निस्तारण और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और चिन्हित हॉट स्पॉट की लगातार निगरानी की जाए। इन क्षेत्रों की संवेदनशीलता कम करने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रदेश के स्कूलों और कॉलेजों में नशा मुक्ति एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान नियमित रूप से संचालित करने को कहा। साथ ही मादक पदार्थों के परिवहन, तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सघन कार्रवाई करते हुए अधिकतम बरामदगी और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कमिश्नरेट और जनपद अपने-अपने क्षेत्रों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के स्रोत, नेटवर्क और वितरण तंत्र को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई करें। प्री-कर्सर रसायनों, एसीटिक एनहाइड्राइड, नियंत्रित पदार्थों और नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध डायवर्जन पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

उत्तर प्रदेश की 8 सहकारी चीनी मिलों को मिला उत्कृष्ट दक्षता पुरस्कार

विश्व केसरी■



लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिखर पर पहुंचे गन्ना व चीनी उद्योग ने नई सफलता अर्जित की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लि. (एनएफसीएसएफ) नई दिल्ली की ओर से डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार समारोह' में उत्तर प्रदेश की 8 सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया गया।

संघ की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर देश की सहकारी चीनी मिलों को गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन और समग्र प्रदर्शन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रत्येक वर्ष दक्षता पुरस्कार दिए जाते हैं, जिससे सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलों की कार्यक्षमता एवं दक्षता में सुधार के साथ-साथ वृद्धि हो सके।

वर्ष 2024-25 के लिए घोषित पुरस्कारों में प्रदेश की द किसान सहकारी चीनी मिल, स्नेह रोड, नजीबाबाद (बिजनौर) को सभी मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ सहकारी चीनी मिल का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी चीनी मिल, बेलरायां (लखीमपुर खीरी) को गन्ना विकास, द किसान सहकारी चीनी मिल, गजरौला (अमरोहा) को चीनी परता (शुगर रिकवरी) में सुधार एवं बागपत को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बागपत को वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2025-26 के लिए घोषित पुरस्कारों में भी प्रदेश की चार अन्य सहकारी चीनी मिलों ने परचम लहराया है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सशक्त हो रहा समाजः रूप कुमारी

विश्व केसरी■



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लगातार समाज सशक्त हो रहा है और आंगन मिलन सेवा अभियान' में आंगन, मिलन और सेवा का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी मध्य प्रदेश के प्रवास पर हैं और उन्होंने शुक्रवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के बागसेवनिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 735, अमराई में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' अभियान के शुभारंभ मौके पर कहा कि 'आंगन मिलन सेवा अभियान' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सेवा, समर्पण और सामाजिक योगदान को सम्मान देने का अवसर है। इस अभियान के नाम में ही इसकी भावना निहित है, इसमें आंगन भी है, मिलन भी है और सेवा भी है।

उन्होंने आगे कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के विकास, पोषण और संस्कार का महत्वपूर्ण केंद्र हैं, कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ बच्चों और परिवारों के बीच सेवा का कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर बढ़ी है।

हिमाचल प्रदेशः नालागढ़ थाना आईईडी ब्लास्ट मामले में एनआईए की कार्रवाई, दो और आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



चंडीगढ़। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने एक जनवरी को सुबह लगभग 9:40 बजे हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन परिसर में इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर के कमरे से सटी बाहरी दीवार के पास हुए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) धमाके के मामले में 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह मामला शुरू में एक जनवरी 2026 को हुए आईईडी धमाके के बाद हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। बाद में एनआईए ने जांच अपने हाथ में ले ली और एजेंसी ने 8 मई 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और यूए (पी) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला फिर से दर्ज किया।

जांच के दौरान हरमन हैरी और जशन सैनी नाम के 2 आरोपियों की भूमिका सामने आई। एनआईए ने आईईडी धमाके से जुड़ी साजिश की जांच के तहत इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस जांच का मकसद हमले से जुड़े बड़े नेटवर्क का पता लगाना है।

इन गिरफ्तारियों से पहले एनआईए ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनके नाम महावीर कुमार उर्फ काका, अजय मेहरा, मनप्रीत सिंह उर्फ मणि, अर्शदीप सिंह कंडोला उर्फ अर्श कंडोला, करणप्रीत सिंह और दिलजोत सिंह सैनी हैं।

इन आरोपियों को शुरू में पंजाब पुलिस ने एसएसओसी पुलिस स्टेशन, एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब में दर्ज एफआईआर और गढ़शंकर पुलिस स्टेशन, पंजाब में दर्ज एफआईआर के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

मनप्रीत कौर ने भारत की झोली में डाला एक और मेडल



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की अनुभवी एथलीट मनप्रीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के शॉट पुट फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। शुक्रवार को नागोया सिटी मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए मुकाबले में मनप्रीत ने 17.17 मीटर दूर गोला फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया और भारत की झोली में एक और मेडल डाला। मनप्रीत ने अपने चौथे थ्रो में यह दूरी हासिल की और चीन की सोंग जियायुआन (गोल्ड) और झांग लिनरू (सिल्वर) के बाद तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शामिल एक अन्य भारतीय, कृष्णा जयशंकर मेनन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस युवा खिलाड़ी ने 16.57 मीटर की दूरी तक गोला फेंककर पांचवां स्थान हासिल किया।

मनप्रीत एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पूर्व ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17.00 मीटर के थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था। वह हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का हिस्सा थीं, जहां वह बहुत कम अंतर से मेडल से चूक गईं और 17.49 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2016 ओलंपिक गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वह 23वें स्थान पर रही थीं।

मनप्रीत ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2017 में गोल्ड मेडल जीता था। हालाकि, प्रतिबंधित पदार्थों के लिए टेस्ट पॉजिटिव आने के कारण उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया और उनसे उनका गोल्ड मेडल भी वापस ले लिया गया। उन्होंने 2022 में वापसी की और 18.06 मीटर तक गोला फेंककर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। मनप्रीत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हिस्सा लिया और 11वें स्थान पर रहीं। वहीं, पिछले एशियन गेम्स में वह पांचवें स्थान पर रही थीं।

2026 में मनप्रीत ने नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17.75 मीटर के थ्रो के साथ जीत हासिल करके घरेलू स्तर पर शानदार फॉर्म दिखाई थी। यह प्रदर्शन एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड (16.25 मीटर) से बेहतर था। कड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में मनप्रीत का प्रदर्शन उनकी निरंतरता और बड़े चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है। मनप्रीत एशियन गेम्स में शॉट पुट मेडल जीतने वाली भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले, बारबरा वेबस्टर (1951) और किरण बालियान (2022) ने भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके



विश्व केसरी ■

नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे।

ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे।

ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था।

इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94 का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में, सुरुचि और कमलजीत ने रिकॉर्ड-तोड़ परफॉर्मेंस देते हुए गोल्ड मेडल जीता। फाइनल में दोनों ने मिलकर 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया।

यह 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला एशियन गेम्स गोल्ड मेडल था, जिससे हांगझोऊ 2023 में सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस के जीते सिल्वर मेडल में सुधार हुआ।

नेपाल ने अफगानिस्तान को 16 गेंद पहले 5 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए।

नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन संदीप जोरा के 35 गेंदों पर बनाए 34 रन और पूर्व कप्तान रोहित पौडेल के 32 गेंदों पर बनाए नाबाद 33 रनों की बदौलत टीम ने 17.2 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। कप्तान दीपेंद्र सिंह ऐरी ने भी 15 रन बनाए। नेपाल का अगला मैच शनिवार को जापान से होना है। इस मैच में जीत की स्थिति में नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जाएगा। नेपाल और अफगानिस्तान के बीच यह पांचवां टी20 मैच था। पांच मैचों में नेपाल की यह दूसरी जीत थी। नेपाल ने अफगानिस्तान को पहली बार 2014 में चटगांव में हराया था।

राजू, थेन्नारासु, रामराज और मनु की चौकड़ी ने देश को दिलाया रजत

विश्व केसरी ■

नागोया। माचेट्टीरा पूवम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विथ्या रामराज और थेक्किनालिल मनु की भारतीय चौकड़ी ने नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए कड़े मुकाबले वाले फाइनल में 4×400 मीटर में 3:14.46 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और देश की झोली में सिल्वर मेडल डाला।



भारतीय रिले टीम की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएमओ ने एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, 'हमारी मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज को एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई। उनकी गति, तालमेल और पक्के इरादे ने रेस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल बना। उम्मीद है कि वे और भी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।

प्रतियोगिता में बहरीन ने 3:12.87 के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि वियतनाम 3:14.54 में रेस पूरी करके तीसरे नंबर पर रहा और ब्रॉन्ज मेडल जीता। जापान 3:15.52 के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारतीय दल ने 4×400 मीटर इवेंट में शानदार प्रदर्शन का दौर बरकरार रखा। भारतीय दल ने एशियन गेम्स जकार्ता 2018 में इस इवेंट में गोल्ड और हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर जीता था।

विशाल ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के गुमी में 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में गोल्ड और पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में सिल्वर जीता था, जहां वह व्यक्तिगत 400 मीटर में भी चौथे स्थान पर रहे थे।

भारत के रिले प्रोग्राम की एक और अहम सदस्य विथ्या ने ओलंपिक गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें पेरिस 2024 में 4×400 मीटर रिले भी शामिल है। उन्होंने 2022 एशियन गेम्स में मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में सिल्वर और 2023 एशियन गेम्स में 400 मीटर हर्डल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

विजय दहिया बने दिल्ली की सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को 2026/27 घरेलू सीजन के लिए एक बार फिर दिल्ली की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है।

भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच और द्रोणाचार्य अवॉर्ड विजेता राजकुमार शर्मा को 'स्टेट मेंटर' नियुक्त किया गया है। वहीं, सुनीता शर्मा को महिला टीमों के लिए इसी जिम्मेदारी की भूमिका सौंपी गई है। दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पुरुष और महिला टीमों की चयन समिति और कोचों के बारे में ये फैसले क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) द्वारा सभी सिफारिशें सौंपे जाने के बाद लिए गए। आईपीएल 2022 की विजेता टीम गुजरात टाइटंस के साथ सहायक कोच रहे दहिया ने दिल्ली को 2007/08 में रणजी ट्रॉफी जिताई थी और 2012/13, 2014/15 और 2015/16 सीजन में भी इसी भूमिका में काम किया था। भारत के लिए दो टेस्ट और 10 वनडे मैच खेलने वाले दहिया अब पूर्व भारतीय ऑफ-स्पिनर और चयनकर्ता सरनदीप सिंह की जगह लेंगे, जो पिछले दो सीजन से इस भूमिका में थे और अब सीएसी का हिस्सा हैं।

दहिया के साथ सहायक कोच के तौर पर क्षितिज शर्मा और कुलदीप रावत होंगे, जबकि संजीव शर्मा और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना बॉलिंग कोच के तौर पर काम करेंगे। दिल्ली अपनी रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर को कल्याणी में बंगाल के खिलाफ करेगी। दिल्ली के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केपी भास्कर और भारत की पूर्व खिलाड़ी रीमा मल्होत्रा ??को क्रमश: सीनियर पुरुष और सीनियर महिला चयन पैनल का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

भास्कर तीन सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करेंगे जिसमें मनु नायर और प्रवीण गुप्ता शामिल होंगे, जबकि रीमा के साथ स्वर्ण चड्ढा और रानी ओझा होंगी। अलग-अलग उम्र के ग्रुप में दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन बिष्ट पुरुषों की अंडर-23 टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे और मोहन चतुर्वेदी व राजिंदर सिंह चावला उनकी मदद करेंगे।

शूटिंग में देश को गोल्ड और सिल्वर दिलाने वाले निशानेबाज खुश, कहा- अभी और मेडल आएंगे

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार का दिन भारतीय शूटिंग के लिए यादगार रहा है। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल मिले हैं। सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने फाइनल में 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। वहीं, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय शूटिंग टीम ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता।

पदक जीतने के बाद शूटर काफी खुश नज़र आए और भविष्य में इस खेल में और भी पदक आने की संभावना जताई।



शूटर सुरुचि सिंह ने आईएएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को सिर्फ एक गोल्ड नहीं, बल्कि कई गोल्ड चाहिए, और इंडिया जरूर जीतेगा। मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि मुझे अपना 100 प्रतिशत देना है और किसी भी कीमत पर इंडिया के लिए गोल्ड जीतना है।

सुरुचि के साथ गोल्ड जीतने वाली मिक्स्ड टीम का हिस्सा रहे शूटर कमलजीत ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मैं मेडल जीतूंगा, क्योंकि खाली हाथ वापस जाना ऐसा लगता है जैसे आप अभी-अभी आए हों, खेले हों और चले गए हों। ऐसा तो हर कोई करता है। मुझे एशियन गेम्स में मेडल चाहिए था। मुझे पता था कि मुझे अच्छा परफॉर्म करना होगा। यह बहुत अच्छा है कि शूटिंग में पहला गोल्ड मेडल घर लाए हैं। और भी मेडल आएंगे।

पुरुषों के 50 मीटर 3 पोजीशन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले शूटर नीरज कुमार ने कहा, 'अच्छा लग रहा है। हमने टीम सिल्वर जीता। कहीं न कहीं व्यक्तिगत मेडल की भी उम्मीद थी। लेकिन, मुझे टीम मेडल से ही संतोष करना होगा। हर दिन एक नया दिन होता है और कुछ भी हो सकता है। फिर भी, हम खुश हैं।

सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है कि हमने टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। मुझे व्यक्तिगत मेडल जीतने की भी उम्मीद थी, लेकिन बदकिस्मती से ऐसा नहीं हुआ। मुझे इसका थोड़ा दुख है। भविष्य में मैं और मेहनत करूंगा और देश के लिए व्यक्तिगत मेडल जीतूंगा।

ऐश्वर्य और नीरज के पास व्यक्तिगत इवेंट में पदक जीतने का मौका था, लेकिन दोनों निशानेबाज इसमें सफल नहीं रहे।

डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर

विश्व केसरी ■

आइची। डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए।



दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया।

सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्साकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के ब्रॉन्ज मेडल जीतने में अहम भूमिका निभाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है।

चीन के खिलाफ सेमीफाइनल में, भारतीय जोड़ी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और चीनी जोड़ी को 21-11, 22-20 से हराया। सेमीफाइनल में हार के बाद भारत को आखिरकार ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

चंद्रयान से गगनयान तक : आईआईटी में इसरो अध्यक्ष ने सुनाई अंतरिक्ष के सफर की कहानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कभी भारत को अपने रॉकेट प्रक्षेपण के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से उपकरण जुटाने पड़ते थे। आज वही भारत दूसरे देशों के उपग्रहों को व्यावसायिक आधार पर अंतरिक्ष में भेज रहा है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर की यह बातें बताई।

उन्होंने बताया कि कभी जिस क्रायोजेनिक तकनीक को साझा करने से इनकार कर दिया गया था, उसे भारत ने अपने दम पर विकसित कर लिया। अब देश की नजरें चांद पर मानव मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां हासिल करने पर हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर और भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। यहां व्याख्यान का विषय था, 'भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम: चुनौतियां और आगे की राह'। इस दौरान उन्होंने भारत की शुरुआती चुनौतियों से लेकर चंद्रयान-3 की सफलता, अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग और मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों तक की कहानी साझा की।



डॉ. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1962 से जोड़ते हुए बताया कि उस समय देश खाद्य सुरक्षा और साक्षरता जैसी बुनियादी चुनौतियों से जूझ रहा था। नवंबर 1963 में थुंबा से भारत का पहला रॉकेट प्रक्षेपित किया गया। उस समय रॉकेट को तैयार करने में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद भारत ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ाई। आज देश अपने दम पर उपग्रह तैयार करने और उन्हें प्रक्षेपित करने के साथ-साथ दूसरे देशों के उपग्रहों को भी व्यावसायिक रूप से अंतरिक्ष में भेज रहा है। यह बदलाव भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की लंबी यात्रा को दर्शाता है। दुनिया ने भारत को क्रायोजेनिक तकनीक नहीं दी, तो भारत ने खुद बना ली। भारत के अंतरिक्ष सफर में क्रायोजेनिक प्रणोदन तकनीक का विकास एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है।

डॉ. नारायणन ने बताया कि 1990 के दशक की शुरुआत में कुछ देशों ने भारत को यह तकनीक देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया ने हमें यह तकनीक देने से इनकार कर दिया, तो हमने इसे खुद विकसित करने का फैसला किया। आज मैं आपको बता सकता हूं कि हमने पूरी तरह अपने दम पर तीन क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणालियां विकसित की हैं। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का ऐतिहासिक अध्याय बताया। 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट उतरने वाला पहला देश बना।

उन्होंने आगे कहा, ''23 अगस्त 2023 भारत के लिए ऐतिहासिक दिन था। चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले पहले तीन देशों के बाद भारत चौथा देश बना और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना।'' चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को दुनिया के सामने मजबूती से रखा। डॉ. नारायणन ने भारत के हालिया अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भारत अंतरिक्ष में दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ने की क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बना है।

शरीर को लचीला बनाता है सुप्त पादांगुष्ठासन, जानें इसे करने के लाभ



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पैरों में खिंचाव आम समस्या बन गई है। ऐसे में सुप्त पादांगुष्ठासन एक ऐसा उपाय है, जो पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करने, हैमस्ट्रिंग को मजबूत बनाने और शरीर का संतुलन बेहतर करने में मदद करता है।

'सुप्त पादांगुष्ठासन' संस्कृत शब्दों का संयोजन है, जिसमें 'सुप्त' का अर्थ 'लेटना', 'पाद' का अर्थ 'पैर', 'अंगुष्ठ' का अर्थ है 'अंगूठा' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। लेटकर हाथ को पैर के अंगूठे से जोड़ने वाला आसन आधुनिक योगासन है, इसलिए किसी भी प्राचीन हठ योग ग्रंथ में इस आसन के अभ्यास के बारे में कोई विस्तृत संदर्भ नहीं है।

योग के कई आसनों में से एक है सुप्त पादांगुष्ठासन, जो दिखने में आसान लगता है लेकिन इसके फायदे बहुत गहरे हैं। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, सुप्त पादांगुष्ठासन महत्वपूर्ण योगासनों में से एक है, जिसके नियमित अभ्यास से शारीरिक लचीलेपन, रीढ़ की सेहत और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है।

इस आसन को करने से कमर और कूल्हे की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है, जिससे नल पर पड़ने वाला दबाव कम होता है और दर्द में राहत मिलती है। यह आसन हैमस्ट्रिंग, पिंडलियों और पीठ के निचले हिस्से को गहराई से स्ट्रेच करता है। वहीं, सुप्त पादांगुष्ठासन करने से पैरों को ऊपर उठाने से पैरों में खून का संचार बेहतर होता है, जिससे सूजन और जकड़न कम होती है।

पैर को ऊपर उठाने से पैरों की नसों पर दबाव कम होता है जिससे वैरिकोज वेन्स की समस्या में राहत मिलती है और पेट के अंगों की मालिश होने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी और पीठ के निचले हिस्से (लोअर बैक) की मांसपेशियों के तनाव को दूर कर दर्द को कम करता है।

यदि आपको हैमस्ट्रिंग, पेल्विक मसल्स, घुटने, कंधे या कूल्हे के जोड़ों में कोई गंभीर चोट या दर्द है, तो इसका अभ्यास न करें।

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा: ऑडी इंडिया ने नई कॉम्पैक्ट लग्जरी एसयूवी की शुरू की स्थानीय असेंबली

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसकी नई कॉम्पैक्ट लक्जरी एसयूवी ऑडी क्यू3 का स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू हो गया है। कंपनी इस बिल्कुल नई मॉडल की असेंबली महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित एसएवीडब्ल्यूआईपीएल संयंत्र में कर रही है।

ऑडी इंडिया के एक बयान के अनुसार, नई ऑडी क्यू3 को भारतीय बाजार में 16 अक्टूबर, 2026 को लॉन्च किया जाएगा। यह एसयूवी 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन से लैस होगी और इसमें ऑडी की लोकप्रिय क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक भी मिलेगी।

ऑडी इंडिया ने कहा कि नई पीढ़ी की क्यू3 में कॉम्पैक्ट लक्जरी एसयूवी की व्यावहारिकता और दमदार प्रदर्शन का संतुलन देखने को मिलेगा। कंपनी के मुताबिक, इसमें अपने सेगमेंट के कई नए और उन्नत फीचर्स तथा तकनीकों को शामिल किया गया है, जो आधुनिक लक्जरी वाहन खरीदारों को आकर्षित करेंगे।



कंपनी ने जानकारी दी कि ग्राहक नई ऑडी क्यू3 की बुकिंग ऑडी इंडिया की वेबसाइट, मायऑडी कनेक्ट ऐप या देशभर के ऑडी डीलरशिप के माध्यम से कर सकते हैं।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा ने कहा कि नई ऑडी क्यू3 के उत्पादन की शुरुआत भारत में समूह के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र की मजबूत विनिर्माण क्षमताओं और देश में अपने ब्रांडों के विस्तार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, 'हमें गर्व है कि हम भारत में नई ऑडी क्यू3 का उत्पादन कर रहे हैं। इसमें वही गुणवत्ता, सटीकता और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता सुनिश्चित की गई है, जिसके लिए ऑडी वैश्विक स्तर पर जानी जाती है।'

ऑडी इंडिया ने वर्ष 2025 में लगभग 4,510 वाहन बेचे थे। कंपनी के अनुसार, लक्जरी वाहन बाजार में बदलती परिस्थितियों के बावजूद उसकी बिक्री में स्थिरता बनी रही। कंपनी का मानना है कि जीएसटी 2.0 के लागू होने से लक्जरी वाहन खरीदने वाले ग्राहकों का भरोसा बढ़ा और बाजार को समर्थन मिला। इस बीच, ऑडी इंडिया ने 1 अप्रैल 2026 से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2 प्रतिशत तक बढ़ोतरी भी की थी। कंपनी ने बढ़ती इनपुट लागत और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव को इस फैसले की वजह बताया था।

बच्चों की आंखों में दिखे ये दो लक्षण तो तुरंत लें डॉक्टर की सलाह, डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बच्चों की सेहत को लेकर माता-पिता अक्सर छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देते हैं, लेकिन आंखों से जुड़े कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।



खासकर छोटे बच्चों की आंखों में अगर कुछ असामान्य बदलाव दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रीय कार्यालय ने रेटिनोब्लास्टोमा यानी बच्चों में होने वाले आंख के कैंसर को लेकर लोगों को आगाह किया है।

रेटिनोब्लास्टोमा एक दुर्लभ लेकिन गंभीर प्रकार का कैंसर है, जो आंख के पीछे मौजूद रेटिना में विकसित होता है। यह बीमारी मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और ज्यादातर मामले तीन साल से कम उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं। बीमारी की समय पर पहचान और इलाज होने पर कुछ देशों में ठीक होने की दर 95 प्रतिशत से अधिक बताई गई है। यही वजह है कि इसके शुरुआती संकेतों को पहचानना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

रेटिनोब्लास्टोमा का एक प्रमुख शुरुआती संकेत आंख की पुतली में असामान्य सफेद चमक दिखाई देना है। आमतौर पर कैमरे की फ्लैश या तेज रोशनी में आंखों में लाल रंग की चमक दिखाई दे सकती है। लेकिन अगर बच्चे की एक या दोनों आंखों की पुतली में लाल रंग के बजाय सफेद चमक नजर आए, तो इसे सामान्य न मानें। खासकर अगर यह बार-बार दिखाई दे रहा है, तो बच्चे की आंखों की जांच कराना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण संकेत है आंख का एक दिशा में मुड़ना। अगर बच्चा सामने देखते समय एक आंख को बार-बार अंदर या बाहर की तरफ घुमाता है, तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसे स्ट्रैबिस्मस कहा जाता है। कई बार माता-पिता इसे केवल 'लेजी आई' समझ लेते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह रेटिनोब्लास्टोमा का संकेत भी हो सकता है।

रेटिनोब्लास्टोमा एक आंख में भी हो सकता है।

दवा की पर्ची पर हिंदी को तरजीह दें डॉक्टर, मरीज से मातृभाषा में करें संवाद : ब्रजेश पाठक

विश्व केसरी ■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सकों से अपील की है कि वे मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं और जांचों के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में लिखें, ताकि मरीज को यह स्पष्ट रूप से पता हो कि उसे कौन सी दवा दी जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में संवाद करने का भी आग्रह किया है।

ब्रजेश पाठक ने चिकित्सक समुदाय के नाम जारी अपील में कहा कि वह उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हिंदी प्रेमी भारतीय के नाते डॉक्टरों से यह आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत स्तर पर उन दवाओं को प्राथमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में लोकभाषाओं का इस्तेमाल बढ़ने से मरीज डॉक्टर की सलाह और उपचार को बेहतर ढंग से समझ सकेगा। इससे मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकभाषा और लोकभावना से मजबूत होता है। राष्ट्रीय एकता भी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के सशक्त होने से मजबूत होगी। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि यदि वे भोजपुरी, अवधी और अन्य मातृभाषाओं में मरीजों से संवाद करेंगे तो उनकी बात मरीजों को अधिक सहजता से समझ आएगी।

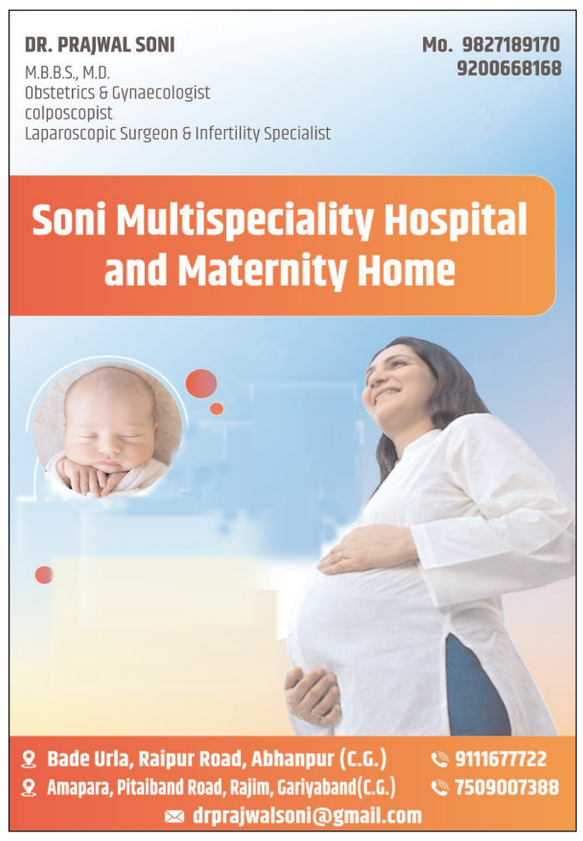
ऐसे समझें अपनी हीमोग्लोबिन रिपोर्ट- ये सिर्फ एक नंबर नहीं, सेहत का बड़ा संकेत है

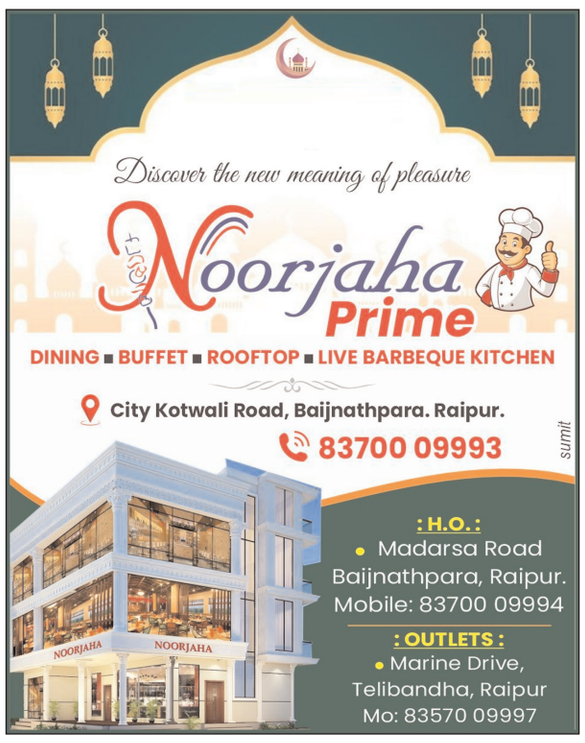
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हीमोग्लोबिन यानी एचबी रिपोर्ट में दर्ज एक संख्या भले ही छोटी लगे, लेकिन यह हमारे स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है, तो इसे एनीमिया कहा जाता है।

एनीमिया में थकान, कमजोरी, चक्कर आना, सांस फूलना, सिरदर्द और काम करने में जल्दी थक जाने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए अपनी एचबी रिपोर्ट को समझना और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एनीमिया का स्तर हर उम्र और वर्ग में एक जैसा नहीं होता।

बच्चों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और पुरुषों के लिए हीमोग्लोबिन की सीमा अलग-अलग हो सकती है। 6 से 59 महीने के बच्चों में एचबी का स्तर 10 से 10.9 ग्राम/डेसीलीटर होने पर हल्का एनीमिया, 7 से 9.9 ग्राम/डेसीलीटर होने पर मध्यम और 7 ग्राम/डेसीलीटर से कम होने पर गंभीर एनीमिया माना जाता है। वहीं 5 से 11 वर्ष के बच्चों में 11 से 11.4 ग्राम/डेसीलीटर हल्का, 8 से 10.9 ग्राम/डेसीलीटर मध्यम और 8 ग्राम/डेसीलीटर से कम गंभीर एनीमिया का संकेत होता है। इसी तरह 12 से 14 वर्ष के बच्चों में 11 से 11.9 ग्राम/डेसीलीटर एचबी हल्के एनीमिया, 8 से 10.9 ग्राम/डेसीलीटर मध्यम और 8 ग्राम/डेसीलीटर से कम गंभीर एनीमिया की श्रेणी में आता है।











दिल्ली के उपराज्यपाल ने अच्छी रोशनी वाली और सुरक्षित सड़कों की आवश्यकता पर बल दिया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उपराज्यपाल टीएस संधू शुक्रवार को विश्व स्तरीय दिल्ली के निर्माण के लिए चार स्तंभों वाले रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होंने बेहतर रोशनी और पिंक फोर्स की तैनाती के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित सड़कों की आवश्यकता पर बल दिया।

उपराज्यपाल ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय शहर बनने के लिए एआई-सक्षम उत्तरदायी नागरिक सेवाओं, अपशिष्ट-मुक्त पड़ोस और जन भागीदारी को एक साझा नागरिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना भी आवश्यक होगा।

एनडीएमसी कर्मचारियों के साथ बातचीत के दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि हमारे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता शहर के सच्चे ब्रांड एंबेसडर हैं। 'विकसित भारत' के लिए 'विकसित दिल्ली' के निर्माण में उनकी सुरक्षा, सम्मान, कल्याण और संस्थागत समर्थन सर्वोपरि होना चाहिए।

इस अवसर पर एनडीएमसी के अध्यक्ष कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, विधायक और एनडीएमसी सदस्य वीरेंद्र सिंह कादियां, परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि और सरिता तोमर, सचिव राहुल सिंह, वित्तीय सलाहकार राकेश सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कर्मचारी भी उपस्थित थे।

एक बयान में कहा गया कि उपराज्यपाल संधू ने एनडीएमसी कर्मचारियों से बातचीत की और राष्ट्रीय राजधानी के हृदय को स्वच्छ, हरा-भरा और सुव्यवस्थित रखने वाले सफाईकर्मियों, बागवानों, इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की सराहना की।

उपराज्यपाल ने कहा कि नई दिल्ली केवल देश का प्रशासनिक केंद्र नहीं है। यह दुनिया भर से आने वाले आगंतुकों के लिए भारत का चेहरा और पहली छाप है। इसलिए राष्ट्रीय राजधानी की स्वच्छता, हरियाली, रखरखाव और समग्र रूप का अत्यधिक महत्व है। उन्होंने आगे कहा कि मैं एनडीएमसी के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों - सफाईकर्मियों, बागवानों, इंजीनियरों और विद्युत एवं रखरखाव कर्मचारियों के समर्पण की सराहना करता हूं, जो नई दिल्ली को स्वच्छ, हरा-भरा और सुव्यवस्थित रखने के लिए प्रतिदिन अथक परिश्रम करते हैं।

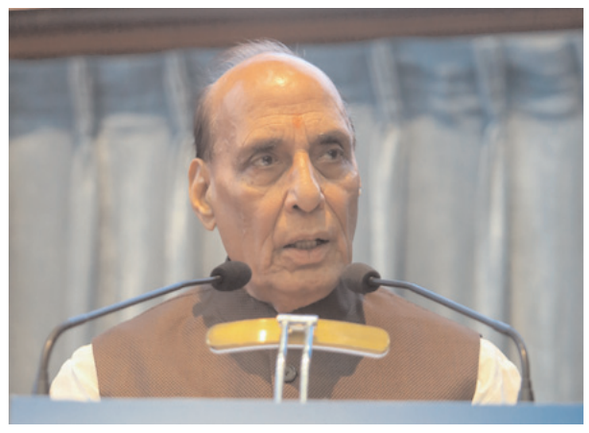
उपराज्यपाल ने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान एनडीएमसी द्वारा प्रदर्शित प्रतिबद्धता सराहनीय है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों पर स्वच्छता और नागरिक सेवाओं के उच्च मानकों को बनाए रखने और रोजमर्रा की जिंदगी में भी उन मानकों को बरकरार रखने की क्षमता, संपूर्ण एनडीएमसी परिवार की व्यावसायिकता और समर्पण को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के तहत 100 प्रतिशत स्रोत पृथक्करण की उपलब्धि भी सतत अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने और स्वच्छ दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेक इन इंडिया-रक्षा उत्पादन में वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक पहुंचा भारत : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। 'मेक इन इंडिया' के 12 साल भारत की आर्थिक और औद्योगिक यात्रा में बड़े बदलाव का दौर रहे हैं। यह बात शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत में निर्माण की शुरुआत का यह अभियान आज ऐसे मजबूत औद्योगिक तंत्र में बदल चुका है, जो घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है, निवेश आकर्षित कर रहा है, नवाचार को प्रोत्साहित कर रहा है और रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। साथ ही भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में भी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की विनिर्माण नीति 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड' के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। इसका असर खास तौर पर रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की रक्षा व्यवस्था वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए भी लगातार मजबूत की जा रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ताकत देखनी हो तो आसमान, समुद्र और जमीन तीनों जगह इसकी झलक दिखाई देती है।

इससे पहले उन्होंने गुरुवार रात एक कार्यक्रम में कहा कि आसमान में भारतीय पायलट तेजस लड़ाकू विमान और प्रचंड हेलिकॉप्टर के साथ देश की क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। समुद्र में भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत समुद्री सुरक्षा को मजबूत कर रहा है। वहीं जमीन पर भारतीय सेना अर्जुन टैंक और भारत में निर्मित लंबी दूरी की तोप धनुष के साथ देश की सीमाओं की रक्षा कर रही है। रक्षा मंत्री ने भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म इसका उदाहरण हैं। उन्होंने भारत में निर्मित एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और छठी पीढ़ी के लड़ाकू जेट बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा औद्योगिक गलियारे विकसित किए गए हैं। सरकार ने केवल बड़े रक्षा निर्माताओं पर निर्भर रहने के बजाय स्टार्ट-अप और एमएसएमई को भी रक्षा नवाचार से जोड़ा है।

सीबीआई ने अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट के मुख्य आरोपी को दबोचा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सीबीआई ने उक्त आरोपी और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ 8 सितंबर 2026 को मामला दर्ज किया था। यह मामला एक बड़े पैमाने पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी गिरोह से संबंधित है। इसको कथित तौर पर 2024 से गुजरात के अहमदाबाद से अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से संचालित किया जा रहा था।

आरोपियों ने आपस में और अज्ञात सहयोगियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची और फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी), यूएस अटॉर्नी, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी (सीआईएसए) और अन्य संघीय एजेंसियों के अधिकारियों का रूप धारण किया। उन्होंने वीओआईपी संचार के माध्यम से पीड़ितों को झूठी सूचना दी कि उनकी पहचान का दुरुपयोग करके किसी ने उनके कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से बाल पोर्नोग्राफी देखी है। इसके बाद, आरोपियों ने पीड़ितों को अपने बैंक खातों से पैसे निकालने, सोना खरीदने और उसे अमेरिका में उनके द्वारा नियुक्त कूरियर को सौंपने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार, पीड़ितों को बहला-फुसलाकर उनसे 72 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी की गई।

मामला दर्ज होने के बाद, सीबीआई ने अहमदाबाद में उक्त आरोपी से जुड़े स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया और डिजिटल साक्ष्य वाले आपत्तिजनक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।

मेडिकल बोर्ड यूडीआईडी कार्ड की दिव्यांगता प्रतिशत नहीं बदल सकते: हाईकोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों का मूल्यांकन करने वाले मेडिकल असेसमेंट बोर्ड वैध यूनीक डिसएबिलिटी आइडेंटिटी (यूडीआईडी) कार्ड में दर्ज दिव्यांगता के प्रतिशत में हस्तक्षेप नहीं कर सकते और न ही उसे कम कर सकते हैं। बोर्ड का कार्य केवल उम्मीदवार की कार्यात्मक क्षमता (फंक्शनल कॉम्पिटेंसी) का आकलन करना है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि मेडिकल असेसमेंट बोर्ड यूडीआईडी कार्ड में प्रमाणित दिव्यांगता प्रतिशत को बदलने का अधिकार नहीं रखते। उन्हें सिर्फ यह देखना चाहिए कि उम्मीदवार एमबीबीएस पाठ्यक्रम करने के लिए आवश्यक कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम है या नहीं।

जस्टिस जसमीत सिंह की एकल पीठ ने यह टिप्पणी नीट-यूजी 2026 के दो उम्मीदवारों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की, जिनकी दि०?यांगता प्रतिशत को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान चिकित्सा मूल्यांकन बोर्डों द्वारा कम कर दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबी) की श्रेणी से हटा दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने दोनों मामलों में जारी किए गए मूल्यांकन और पात्रता प्रमाण पत्रों को रद्द कर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को उनकी रैंक और विकलांग व्यक्ति श्रेणी के तहत पात्रता के अनुसार, उनके संबंधित यूडीआईडी कार्ड में दर्ज उनकी दिव्यांगता को ध्यान में रखते हुए।

दोहरा हत्याकांड और डकैती मामले में 32 साल बाद फरार आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज ने एक बड़ी कामयाबी में थाना शकरपुर में दर्ज एफआईआर के तहत आईपीसी की धाराओं 396/302/34 में वांछित आरोपी ललित (48) को गिरफ्तार किया है। यह मामला पूर्वी दिल्ली इलाके में स्थित एक आध्यात्मिक आश्रम की दो साध्वियों की बेरहमी से हत्या से जुड़ा है। आरोपी अपनी पहचान बदलकर और अलग-अलग जगहों पर काम करके लगभग 32 वर्ष तक गिरफ्तारी से बचता रहा और आखिरकार उसे दिल्ली के मंगोलपुरी फेज-द्वद्ध से पकड़ा गया।

दरअसल, पूर्वी दिल्ली इलाके में स्थित एक आध्यात्मिक आश्रम की दो साध्वियों की बेरहमी से हत्या के संबंध में थाना शकरपुर में हत्या और डकैती का मामला दर्ज किया गया था। दोनों साध्वियों की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और आरोपियों ने कथित तौर पर आश्रम से नकदी, गहने और अन्य कीमती सामान लूट लिया था। ललित मुख्य आरोपियों में से एक था और कथित तौर पर मृतकों का गला घोंटने में शामिल था। लूटे गए सामान में से उसे अपने हिस्से के तौर पर कुछ नकदी और गहने मिले थे।

शुरुआत में आरोपी सुनील कुमार, दिलीप राम और सुशील को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सह-आरोपी ललित फरार रहा। ललित को 26 अक्टूबर 1995 को 'घोषित अपराधी' करार दिया गया था। अपराध की गंभीरता और आरोपी के लंबे समय तक फरार रहने को देखते हुए, क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज ने उसे खोजने और पकड़ने का काम अपने हाथ में लिया।

जब 'वंदे मातरम' गाने पर लगता था जुर्माना, फिर भी क्रांतिकारियों के होठों पर रहा आजादी का तराना

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। इस साल जब 15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' पूरा गाया गया तो वह ऐतिहासिक क्षण था और पूरे देश ने गर्व का एहसास किया। इसी तरह 25 सितंबर को एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम के तहत देशभर में संपूर्ण वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ है। इसके तहत एक करोड़ से अधिक छात्र, शिक्षक, अभिभावक और नागरिकों की ओर से संपूर्ण वंदे मातरम के सामूहिक गायन का लक्ष्य रहा।

वंदे मातरम के महत?व को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक मूल को जानना बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा मार्ग है, जो साहित्य, राष्ट्रवाद और भारत के स्वाधीनता संग्राम को जोड़ता है। इस स?तुति गान का एक कविता से राष्ट्रीय गीत बनने तक का सफर, औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत की सामूहिक जागृति का उदाहरण है।

यह गीत पहली बार 1875 में प्रकाशित हुआ। इस तथ?य की पुष्टि श्री अरबिंदो की ओर से 16 अप्रैल 1907 को अंग्रेजी दैनिक 'बंदे मातरम' में लिखे एक लेख से होती है, जिसमें इस बात का उल?लेख है कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने मशहूर गीत की रचना 32 साल पहले की थी। उन्होंने कहा कि उस समय बहुत कम लोगों ने इसे सुना था, लेकिन लंबे समय के भ्रम से जागृत होने के एक पल में, बंगाल के लोगों ने सच्चाई की तलाश की और उसी नियत क्षण में किसी ने 'वंदे मातरम' गाया।

बंकिम चंद्र, 19वीं सदी के बंगाल की सबसे जानी-मानी हस्तियों में से एक थे। 19वीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। एक जाने-माने उपन्यासकार, कवि और निबंधकार के तौर पर उनके योगदान ने आधुनिक बंगाली गद्य के विकास और उभरते भारतीय राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

सुप्रीम कोर्ट ने मीरान हैदर की जमानत शर्तों में दी ढील

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में आरोपी मीरान हैदर की जमानत की शर्त में ढील दी है। अदालत ने पुलिस थाने में उसकी हाजिरी की अवधि सप्ताह में दो बार से घटाकर सप्ताह में एक बार कर दी है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ ने हैदर की अर्जी पर उसके पूर्व जमानत आदेश में संशोधन किया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि मीरान हैदर अब हर शनिवार सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के एसएचओ के समक्ष पेश होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने हैदर की 17 अक्टूबर को होने वाली शादी को देखते हुए उसे 17 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को पुलिस के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से भी छूट दे दी है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जनवरी में मीरान हैदर के साथ गुलफिशा फातिमा, शिफा उर रहमान, शादाब अहमद और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दी थी। हालांकि, अदालत ने इसी मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

मीरान हैदर को जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट ने कई शर्तें लगाई थीं। इनमें प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को क्राइम ब्रांच के समक्ष हाजिरी देना भी शामिल था। अब अदालत ने इसी शर्त में संशोधन करते हुए हाजिरी को सप्ताह में एक दिन कर दिया है।

हैदर की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ अग्रवाल ने जमानत की अन्य शर्तों में भी ढील देने की मांग की। इनमें सार्वजनिक समारोहों में शामिल होने और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से जुड़ी पाबंदियां भी शामिल थीं। हालांकि, पीठ ने इन शर्तों में बदलाव करने से इनकार कर दिया।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने सप्ताह में एक बार हाजिरी की मांग का विरोध नहीं किया।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मीरान हैदर पर लागू जमानत की अन्य सभी शर्तें पहले की तरह जारी रहेंगी। इनमें दिल्ली से बाहर जाने पर प्रतिबंध, पासपोर्ट जमा करने और सार्वजनिक बयान देने या सार्वजनिक रैलियों में शामिल होने पर रोक शामिल है।

एआई मॉर्फ तस्वीरें 24 घंटे में हटाए मेटा: हाईकोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कथित तौर पर एआई के जरिए मॉर्फ की गई तस्वीरों के प्रसार से जुड़े मामले में बड़ा आदेश देते हुए मेटा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों से सभी आपत्तिजनक तस्वीरें और संबंधित वेबलिंक 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है।

न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता महिला को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। साथ ही दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। हाई कोर्ट ने इस मामले में सीजेपी से जुड़े अभिजीत दीपके, सौरव दास, आशुतोष रांका और रत्ना सिंह को भी नोटिस जारी किया है।

याचिका में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी तस्वीर को एआई तकनीक की मदद से एडिट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मॉर्फ किया गया और उसे सोशल मीडिया तथा अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया। महिला ने अदालत से इन तस्वीरों और उनसे जुड़े सभी वेबलिंक हटाने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि इस मामले में दिल्ली पुलिस पहले ही एफआईआर दर्ज कर चुकी है। इसके बावजूद कथित आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिन्हें हटाने की मांग को लेकर महिला ने हाई कोर्ट का रुख किया।

इससे पहले नई दिल्ली जिले के साइबर पुलिस स्टेशन में पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415